atulyabhaskar9@gmail.com

प्रसार क्षेत्र - सागर, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उैन, नरसिंहपुर, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़, पन्ना

आलसी मनुष्य का वतौमान और भविष्य नहीं होता...
-चाणक्य

दैनिक
अतुल्य भास्कर

वर्ष - 4 | अंक - 352

सागर, 11 अगस्त 2021, बुधवार

पृष्ठ - 8 | मूल्य - 2.00 ₹

हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर का आज मुख्यमंत्री करेंगे सम्मान

भोपाल। टोक्यो ओलिंपिक में भारतीय हॉकी टीम ने ब्रॉन्ज मेडल जीता है। मप्र के नर्मदापुरम (होशंगाबाद) जिले के इटारसी के रहने वाले खिलाड़ी विवेक सागर भी इसी टीम का हिस्सा थे। 12 अगस्त को मध्यप्रदेश सरकार विवेक का सम्मान करेगी। सीएम शिवराज सिंह चौहान की

मौजूदगी में मिंटो हॉल में सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 41 साल बाद कोई मेडल जीता है। टीम ने ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले मैच में जर्मनी को 5-4 से हरा दिया था। इसी टीम में इटारसी के विवेक सागर भी शामिल थे। अब मप्र सरकार उनका सम्मान करने वाली है। इसके लिए मंगलवार को सीएम हाउस में फाइल पहुंची। हॉकी टीम के ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद मध्य प्रदेश के ष्टरूशिवराज सिंह चौहान ने इटारसी के खिलाड़ी विवेक और मध्यप्रदेश हॉकी एकेडमी में ट्रेनिंग लेने वाले खिलाड़ी नीलकांता शर्मा को 1-1 करोड़ रुपए बतौर सम्मान निधि के रूप में देने की घोषणा की थी।

बेटी का पहले गला घोंटा फिर फांसी पर लटकाया

ग्वालियर। बेटी जिससे प्रेम करती थी। घरवाले उसके साथ बेटी की शादी करने को तैयार नहीं थे। लेकिन बेटी भी जिद पर अड़ गई और उसने कह दिया कि वह शादी करेगी तो उस युवक के साथ ही करेगी और इस जिद के

चलते लड़की घर छोड़कर भाग भी गई। बाद में परिवार वाले उसे किसी तरह मनाकर घर ले आए। स्वजनों ने आश्वासन दिया कि तेरी जो जिद है, वह हम पूरी करेंगेऔर तेरी शादी भी उससे करेंगे जिससे तू प्यार करती है। इसके बाद जब बेटी घर आ गई तो परिवार ने पहले तो उसकी हत्या की और फिर हत्या करके आत्महत्या दिखाने के लिए फांसी पर लटका दिया। जब पुलिस ने मामले की बारीकी से पड़ताल की तो पुलिस की नजरों से घरवालों को करतूस छिप नहीं सकी। पूरी बात सामने आ गई।

महाराष्ट्र सरकार ने शुरु किया राजीव गांधी के नाम पर अवार्ड

मुंबई। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का नाम देश के शीर्ष खेल पुरस्कार खेल रत्न से हटाए जाने के कुछ दिनों बाद ही महाराष्ट्र सरकार ने उनके नाम पर एक अवॉर्ड शुरू करने का फैसला लिया है। राज्य की उद्धव ठाकरे सरकार ने राजीव

गांधी अवॉर्ड फॉर एक्सीलेंस इन आईटी सेक्टर नाम से पुरस्कार शुरू करने का फैसला लिया है। यह अवॉर्ड उन आईटी कंपनियों को दिया जाएगा, जिनके काम से समाज को मदद मिलेगी। राज्य की गठबंधन सरकार में कांग्रेस सहयोगी पार्टी है। राज्य सरकार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि यह पुरस्कार 1984 से 1989 तक देश के प्रधानमंत्री रहे राजीव गांधी के भारत में आईटी क्षेत्र को प्रोत्साहन देने में योगदान को सम्मानित करने के लिए है। एक आधिकारिक रिलीज में कहा गया कि यह पुरस्कार हर साल दिवंगत कांग्रेस नेता की जयंती 20 अगस्त को प्रदान किया जाएगा, लेकिन इस साल प्राप्तकर्ता का चयन 30 अक्टूबर तक किया जाएगा।

रीवा की टमस नदी में दो युवकों की डूबने से मौत

रीवा। रीवा जिले के त्योंथर क्षेत्र से निकलने वाली टमस नदी में रिश्ते के चाचा-भतीजे के डूबने का मामला सामने आया है। पुलिस का दावा है कि रिमझिम बारिश के कारण मंगलवार की रात भतीजा मछली की जाल को निकालते समय नाव से नदी में गिरकर डूब गया। परिवार वालों ने आशंका व्यक्त की है कि उसे मिर्गी का दौरा पड़ा होगा। वहीं, बुधवार की सुबह चाचा नाव का पानी निकाल रहा था। तभी नाव का संतुलन बिगड़ा और नाव के साथ चाचा भी डूब गया। टमस नदी में हुए दो हादसों की जानकारी त्योंथर चौकी पुलिस सहित सोहागी पुलिस को दी गई। जानकारी के बाद पहुंचे पुलिस के आला अधिकारियों ने एसडीआरएफ और होमगार्ड के जवानों को मौके पर बुलाया है। जहां अब स्टीमर की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन किया जा रहा है, लेकिन तराई क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण रेस्क्यू करने में दिक्कत जा रही है।

चलती बस पर गिरा पहाड़

हाईवे पर बस-ट्रक समेत 6 गाड़ियां चट्टानों की चपेट में आईं 10 की मौत, 50 से ज्यादा मलबे में दबे, रेस्क्यू जारी

अतुल्य भास्कर, शिमला

हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में एक बार फिर लैंडस्लाइडिंग हुई है। शिमला-किन्नौर नेशनल हाईवे-5 पर ज्यूरी रोड के निगोसारी और चौरा के बीच अचानक एक पहाड़ दरक गया। जिससे चट्टानें एक बस और कुछ गाड़ियों पर जा गिरीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक 50 से ज्यादा यात्री मलबे में फंस गए हैं। अभी तक 10 लोगों को निकाल लिया गया है। वहीं, अब तक 10 शव भी निकाले गए हैं। स्थानीय प्रशासन, पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें रेस्क्यू में जुटी हैं। आईटीबीपी को भी रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए बुलाया गया है। मलबे में फंसी बस हिमाचल रोडवेज की है, जो मूरंग से हरिद्वार जा रही थी। एक बस, एक ट्रक, बोलेरो और 3 टैक्सियों पर चट्टानें गिरी हैं।

हिमाचल सरकार ने रेस्क्यू के लिए उत्तराखंड और हरियाणा सरकार से हेलिकॉप्टर मांगे हैं। आर्मी ने भी अपने दो हेलिकॉप्टर भेजे हैं। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर भी घटनास्थल पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा ले सकते हैं। किन्नौर हादसे में बचा बस का कंडक्टर मोहेंद्र पाल जिला बिलासपुर का रहने वाला है, जबकि बस ड्राइवर गुलाब सिंह है। दोनों को सुरक्षित बचा लिया गया है। ये दोनों सड़क पर पहले से गिरे पत्थर देखने बस से बाहर निकले थे। इसी दौरान पहाड़ से मलबा गिरा, जिससे बस दब गई। दोनों ने भागकर अपनी जान बचाई। कंडक्टर का कहना है कि बस में 25 सवारियां थीं।

ड्राइवर और कंडक्टर ने सुनाई हादसे की आंखों देखी

बस कंडक्टर महेंद्र पाल ने बताया, जैसे ही हम निगुलसेरी पहुंचे, तो उसने देखा कि सामने पहाड़ी से चट्टानें गिर रही हैं। हमने बस को 100 मीटर पीछे ही रोक दिया। यहीं पर कार और ट्रक समेत दूसरी गाड़ियां भी रुक गईं। इसके बाद अचानक पहाड़ी चट्टानें सभी गाड़ियों पर गिर गईं। बस ड्राइवर और कंडक्टर ने ही अफसरों को इसकी सूचना दी, जिसके बाद रेस्क्यू शुरू हुआ। बस के ड्राइवर गुलाब सिंह ने बताया, यह अंदाजा लगाना मुश्किल था कि बस यहां से गुजर पाएगी या नहीं।

15 घायलों की हालत बेहद नाजुक

राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई टीम ने 25 लोगों को मौके से अस्पताल पहुंचाया। इनमें से 10 लोगों को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया, जबकि 15 लोगों का इलाज किया जा रहा है। घायलों की हालत बेहद नाजुक है।

गृह मंत्री शाह ने की सीएम से बात

इसके साथ ही गृह मंत्री अमित शाह ने जयराम ठाकुर से फोन पर बात की और वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी ली। गृह मंत्री ने फंसे हुए लोगों को निकालने के लिए और स्थिति का जायजा लेने के लिए आईटीबीपी के महानिदेशक से भी बात की।

ओबीसी समुदाय को बड़ा तोहफा

राज्यसभा से भी पारित हुआ आरक्षण बिल

अतुल्य भास्कर, नई दिल्ली

राज्यसभा में संविधान (127वां संशोधन) विधेयक 2021 बुधवार को पारित हो गया। यह विधेयक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की अपनी ओबीसी सूची बनाने की शक्ति बहाल करने के लिए है। मंगलवार को लोकसभा ने इसे पारित कर दिया था। राज्यसभा में भी इसके आसानी से पारित हो जाने के आसार थे, क्योंकि सभी विपक्षी दल इस विधेयक पर एक साथ हैं। उल्लेखनीय है कि इस विधेयक के माध्यम से महाराष्ट्र में मराठा समुदाय से लेकर हरियाणा और उत्तर प्रदेश के जाट समुदाय को ओबीसी (अति पिछड़ा वर्ग) में शामिल करने और उन्हें आरक्षण देने का रास्ता साफ हो जाएगा। हालांकि माना जा रहा है कि इस फैसले के बाद केंद्र सरकार पर आरक्षण की 50 फीसदी की सीमा खत्म करने के लिए दबाव बढ़ेगा। सरकार ने बीते सप्ताह मेडिकल शिक्षा में ओबीसी वर्ग के लिए केंद्रीय कोटे से आरक्षण की व्यवस्था की थी।

विपक्षी सदस्यों का हंगामा, कागज के टुकड़े उछाले

संसद के मानसून सत्र अपने अंतिम दौर में आ गया है लेकिन विपक्षी सदस्यों का हंगामा, नारेबाजी और संसद का कार्यवाही को बाधित करने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। बुधवार को भी विभिन्न मुद्दों को लेकर विपक्षी नेताओं ने राज्यसभा में हंगामा किया। विपक्षी सांसद वेल के पास एकत्र हो गए। उन्होंने नारेबाजी की और कागज के टुकड़े फाड़कर हवा में उछाले।

सदन में हंगामे को लेकर भावुक हुए सभापति

कृषि कानूनों और पेगासस जासूसी विवाद सतिह कई मुद्दों पर विपक्षी सांसदों के हंगामे की वजह से राज्यसभा की कार्यवाही लगातार बाधित हो रही है। आज राज्यसभा में सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सभापति वेंकैया नायडू भावुक हो गए। मंगलवार की घटना का जिक्र करते हुए वेंकैया नायडू ने कहा कि जब कृषि कानूनों का विरोध करते हुए कुछ सांसद मेज पर बैठ गए और अन्य सदस्य सदन की मेज पर चढ़ गए, तब इस राज्यसभा की सारी पवित्रता खत्म हो गई। उन्होंने कहा कि सदन में हंगामा करने वाले विपक्षी सांसदों को कार्रवाई का सामना करना होगा। बता दें कि मंगलवार को राज्यसभा में हंगामे की हद उस वक्त पार हो गई, जब कांग्रेस के एक सांसद ने मेज पर चढ़कर आसन की ओर रूल बुक फेंक दी। इस तरह से पांच बार बाधित होने के बाद राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित करनी पड़ी थी।

देश में कोविशील्ड-कोवैक्सीन की मिक्स डोज की स्टडी को मंजूरी

अतुल्य भास्कर, नई दिल्ली

देश में कोरोना महामारी के बीच टीकाकरण अभियान तेजी से जारी है। इस बीच देश में टीकाकरण को लेकर एक और अच्छी खबर आ रही है। सरकार की ओर से देश में कोविशील्ड और कोवैक्सीन की मिक्स डोज की स्टडी के लिए डीसीजीआई ने मंजूरी दे दी है। भारत के औषधि महानियंत्रक ने कोवैक्सीन और कोविशील्ड की मिक्स डोज पर एक अध्ययन करने की अनुमति दी है। माना जा रहा है कि दोनों वैक्सीन की मिक्स डोज कोरोना वायरस पर अधिक असरदार साबित होगी। पिछले दिनों इसको लेकर मंजूरी की अनुमति मांगी गई थी।

देश में अब तक चार वैक्सीन को मिली मंजूरी

भारत ने अभी तक चार टीकों को मंजूरी दी गई है। भारत में एस्ट्राजेनेका और ऑक्सफोर्ड की कोविशील्ड, भारत में ही तैयार भारत बायोटेक की कोवैक्सीन, रूस की स्पूतनिक वी। इसके अलावा जानसन एंड जानसन को मंजूरी दी गई है। सूत्रों के मुताबिक, देश में इसी हफ्ते पांचवीं वैक्सीन, जायडस कैडिला की वैक्सीन को आपात इस्तेमाल की मंजूरी मिल सकती है। लेकिन देश में दो वैक्सीन कोविशील्ड और कोवैक्सिन का इस्तेमाल ही सबसे ज्यादा हो रहा है। बता दें कि देश में जनवरी से टीका लगाए जाने का काम शुरु हुआ है।

ममता के भतीजे समेत 6 टीएमसी नेताओं पर एफआईआर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बाद अब त्रिपुरा में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच सियासी घमासान शुरू हो गया है। हाल ही में हुई राजनीतिक हिंसा की घटनाओं को लेकर जारी आरोप-प्रत्यारोप के बीच त्रिपुरा पुलिस ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और सांसद अभिषेक बनर्जी समेत तृणमूल नेताओं डोला सेन, ब्रत्य बसु, कुणाल घोष, सुबल भौमिक और श्रीप्रकाश दास के खिलाफ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इन पर अतिरिक्त एसपी और एसडीपीओ खोवाई के साथ कथित रूप से दुर्व्यवहार करने और उनकी ड्यूटी में बाधा पहुंचाने का आरोप है।

अफगानिस्तान पर जो बाइडेन का बड़ा बयान

अपनी लड़ाई खुद लड़े अफगानिस्तान, अमेरिका ने किसी भी तरह की मदद से किया इंकार

अतुल्य भास्कर, वाशिंगटन

अफगानिस्तान में तालिबान के बढ़ते हमले के कारण स्थिति खतरनाक होती जा रही है। यहां के नागरिकों में दहशत का माहौल है। ऐसे में अफगानिस्तान को अमेरिका से मदद की सबसे अधिक उम्मीद थी लेकिन अब राष्ट्रपति बाइडन ने इस उम्मीद पर पानी फेर दिया है। दरअसल जो बाइडन अफगानिस्तान के बड़े हिस्से पर तालिबान के बढ़ते नियंत्रण के बावजूद अफगानिस्तान से अपने सैनिकों की स्वदेश वापसी के

फैसले पर अडिग हैं और वे इसमें किसी भी तरह से बदलाव के मूड में नहीं हैं। व्हाइट हाउस के अनुसार राष्ट्रपति बाइडन ने 11 सितंबर तक अफगानिस्तान के युद्धग्रस्त क्षेत्र से अपने सभी बचे सैनिकों को वापस बुलाने के आदेश दिए हैं। हालांकि अब तक 90 फीसदी से अधिक अमेरिकी सैनिकों की वापसी हो चुकी है। बाइडन ने अपने इस फैसले पर कहा कि देखिए, हमने 20 वर्षों में एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक खर्च किए हैं। हमने 300,000 से अधिक अफगान बलों को प्रशिक्षित और सुसज्जित किया। हमने हजारों अमेरिकी सैनिकों को खो दिए। अफगानिस्तान को अब अपने देश के लिए खुद लड़ना होगा और इसके लिए अफगान नेताओं को साथ आना होगा।

इसरो की आज अंतरिक्ष में बड़ी छलांग, लॉन्चिंग का काउंटडाउन शुरू

धरती पर नजर रखने के लिए आसमान में तैनात होगी 'आंख'

अतुल्य भास्कर, चैन्नई

स्वतंत्रता दिवस से 3 दिन पहले भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अंतरिक्ष विज्ञान में नया इतिहास रचने की तैयारी कर रहा है। इसरो पहली बार धरती की निगरानी करने वाले देश के पहले सैटेलाइट की लॉन्चिंग करेगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 12 अगस्त को सुबह 5.43 बजे पर उपग्रह EOS-03 का प्रक्षेपण किया जाएगा। इसरो के इस सैटेलाइट लॉन्चिंग से मौसम संबंधी जानकारियों को समझने में और अधिक जानकारी प्राप्त होगी। उपग्रह EOS-03 की लॉन्चिंग के सफल होने से अंतरिक्ष में भारत की धाक में बढ़ोतरी होगी। उपग्रह श्वहस्-03 भारतीय उपमहाद्वीप में बाढ़ और चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी में सक्षम होगा। इसरो ने बताया है कि उपग्रह EOS-03 काफी उन्नत श्रेणी का सैटेलाइट है, जिसे जीएसएलवी एफ 10 यान की मदद से धरती की कक्षा में प्रक्षेपित किया जाने वाला है।

रीयल टाइम इमेजिंग में मिलेगी मदद

इसरो के मुताबिक यह सैटेलाइट अपने संबंधित क्षेत्रों की रीयल-टाइम इमेजिंग देगा और इसका उपयोग प्राकृतिक आपदाओं, अल्पकालिक घटनाओं की निगरानी के लिए भी किया जा सकता है। इसके अलावा कृषि, वानिकी, खनिज विज्ञान, आपदाओं की चेतावनी और समुद्र विज्ञान से संबंधित जानकारी देने का काम करेगा।

इसरो ने इस साल भेजे ब्राजील के सैटेलाइट

इस साल 28 फरवरी को भी इसरो ने पहले मिशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया था। भारत का रॉकेट 28 फरवरी को श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से पहली बार ब्राजील का उपग्रह लेकर अंतरिक्ष में रवाना हुआ था। ब्राजील के अमेजोनिया-1 और 18 अन्य उपग्रहों को लेकर भारत के पीएसएलवी सी-51 ने श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरी थी।

जयवर्धन ने लिखा यह शेर तो पिता दिग्विजय ने कुछ यूं थपथपाई पीठ

अतुल्य भास्कर, भोपाल

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव दिग्विजय सिंह के पुत्र, पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने बुधवार को कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान पुलिस प्रशासन से दो-दो हाथ किए। इसी को लेकर उन्होंने एक ट्वीट किया है और इस ट्वीट पर उनके पिता दिग्विजय सिंह ने उन्हें बधाई दी है।

एक्शन में जयवर्धन, प्रदर्शन के दौरान दिखाया जुझारू व्यक्तित्व: महंगाई, बिजली के बिल, सस्ते अनाज के वितरण में धांधली जैसे कई मुद्दों को लेकर युवक कांग्रेस ने बुधवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय से मुख्यमंत्री निवास घेरने का कार्यक्रम रखा था। इस दौरान जब कांग्रेसी आगे बढ़े तो उनकी पुलिस के साथ जमकर झूमाझटकी हुई। वाटर कैनन का प्रयोग भी किया गया और इस दौरान जयवर्धन सिंह का कुर्ता और पैजामा दोनों फट गए। मैदानी संघर्ष में जयवर्धन पहली बार इस तरह की जीवटता देते दिखाई दिए। अपने इस संघर्ष पर अपनी एक फोटो के साथ जयवर्धन सिंह ने ट्वीट किया है और उसमें लिखा है ह्लमहंगाई से बचाने इस वतन के लिए, हर जुल्म मंजूर है इस तन के लिए।

जयवर्धन के इस ट्वीट पर दिग्विजय सिंह ने उनकी पीठ थपथपाते हुए लिखा है ह्लशाबाश जेवी। संघर्ष ही जीवन है। भाजपा शासन में महंगाई, बेरोजगारी, बिजली के बढ़े हुए बिल, सस्ते अनाज के वितरण में धांधली के खिलाफ व किसान मजदूर के पक्ष में मध्य प्रदेश युवक कांग्रेस के आंदोलन में जिस जोश का परिचय होने दिया, उन्हें हार्दिक बधाई।ह्व जयवर्धन के ट्वीट पर उन्हें जमकर बधाइयां मिल रहीं हैं। कई लोग उन्हें कांग्रेस के भावी संघर्ष का प्रतीक बता रहे हैं तो कुछ लोग उन्हें नेक्स्ट सीएम ऑफ एमपी भी कह रहे हैं। एक बात तो निश्चित है कि इस प्रदर्शन ने जयवर्धन की अभी तक की सरल और सहज छवि को एक आक्रामक और जुझारू नेता की छवि के रूप में भी बदला है जो आने वाले वक्त के बदलाव का भी संकेत है।

शाबाश जेवी। संघर्ष ही जीवन है। भाजपा शासन में महंगाई बेरोजगारी बिजली के बड़े हुए बिल सस्ते अनाज के वितरण में धांधली के खिलाफ व किसान मजदूर के पक्ष में मप्र युवक कॉंग्रेस के आंदोलन में जिस जोश का परिचय युवकों ने दिया उन्हें हार्दिक बधाई।

-digvijaya singh (@digvijaya_28)

जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड के नाम पर वसूली, आशा कार्यकताओं पर आरोप

अतुल्य भास्कर, मुरैना। जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड के नाम पर आशा कार्यकर्ता और महिला दलालों के द्वारा धन उगायी करने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आशा कार्यकताओं द्वारा गर्भवती महिलाओं से रुपए ऐंठने के मामले में कई बार वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत भी की जा चुकी है, लेकिन उनके खिलाफ अब तक तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। एक बार फिर अस्पताल में प्रसूताओं से 200 रुपए लेने वाली आशा कार्यकर्ता को पकड़ा गया है। लगातार ये आरोप लगते रहे हैं कि कुछ आशा कार्यकर्ता और उनकी सहयोगी महिलाएं अल्ट्रासाउंड कराने आई महिलाओं से धन उगाही करने में लगी हुई है। आशा कार्यकताओं और दलालों के द्वारा लेनदेन का वीडियो भी काफी बार बार वायरल हो चुका है। लेकिन इसमें कार्रवाई न होने से कहीं ना कहीं अस्पताल के कर्मचारियों की मिलीभगत की संभावना भी पैदा होती है।

संक्षिप्त समाचार

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शासकीय भवनों में होगी रोशनी

सागर। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के पावन पर्व पर जिले के सभी शासकीय सार्वजनिक भवनों एवं राष्ट्रीय महत्व की इमारतों पर प्रकाश की व्यवस्था करने के निर्देश सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी किए गए है। उक्तानुसार कलेक्टर दीपक सिंह ने समस्त विभाग प्रमुखों को निर्देष दिए हैं कि प्रकाश की व्यवस्था 14 अगस्त की सायंकाल तक पूर्ण कर ली जाए।

स्कूली बच्चे नहीं होंगे शामिलः लोक शिक्षण मध्यप्रदेष के संचालक ने सभी जिला षिक्षा अधिकारियों को निर्देष दिए हैं कि स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त पर समस्त शिक्षण संस्थाओं में पूर्व वर्षों की भांति प्रातः 8 बजे या इसके पूर्व ध्वजारोहण व राष्ट्र गान का सामूहिक गान किया जाए। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के कारण स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में स्कूली बच्चो को शामिल नहीं किया जाएगा । अतः जिले में समस्त विद्यालयों में पालन कराना सुनिश्चित करें एवं की गई कार्यवाही से संचालनालय को अवगत करायें।

अवैध शराब के परिवहन पर वाहन के राजसात की कार्यवाही

सागर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी दीपक सिंह ने पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन पर अवैध शराब के परिवहन में जप्त किए गए वाहन एवं शराब की राजसात किए जाने की कार्यवाही की है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति या दावा हो तो न्यायालय में 7 सितंबर 2021 को उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकता है। एक जनवरी 2021 को थाना राहतगढ़ अंतर्गत निर्वेष मेना के खेत में ग्राम सेनपा थाना राहतगढ़ में महिंद्रा टीयूव्ही-300 वाहन क्रमांक एमपी 40 सीए 4629 से चैकिंग के दौरान 1960 पाव लाल मसाला व प्लेन शराब 352.8 लीटर अवैध शराब कीमत 181150 रुपए की अवैध शराब का परिवहन पाये जाने पर अवैध शराब व वाहन की विधिवत जप्ती कार्यवाही की गई। उक्त वाहन एवं जप्त शराब आबकारी अधिनियम के प्रावधान अंतर्गत राजसात किया जाना प्रस्तावित है।

बैठक आज

सागर। खुरई विकासखण्ड मुख्यालय में जिला स्तरीय रोजगार मेला आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। जिसकी तैयारियों के संबंध में कलेक्टर दीपक सिंह की अध्यक्षता में 12 अगस्त को दोपहर 3 बजे ऑडीटोरियम खुरई में बैठक आयोजित की गई है।

कांग्रेस नेता अभिषेक गौर ने जयवर्द्धन सिंह से मुलाकात की

सागर। सागर के कांग्रेस नेता अभिषेक गौर ने भोपाल पहुँचकर युवक कांग्रेस के विरोध प्रर्दशन मे सम्मलित होने के पश्चात पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह से मुलाकात की इस दौरान पूर्व मंत्री ने कांग्रेस के स्वर्गीय नेता वीरेन्द्र गौर को याद करते हुए उनके कार्यो को आगे बढ़ाए मैं आपके हरदम साथ रहूंगा इस दौरान शिवप्रताप सिंह राजपूत,अनुरूध्द गौर एनएसयूआई के राष्ट्रीय समन्वयक, अभिषेक यादव साथ रहे।

अवैध शराब मामले में बहेरिया पुलिस की कार्यवाही सवालों के घेरे में

48 घंटे बाद भी अवैध शराब के संबंध में जानकारी नहीं जुटा पाई पुलिस

- ट्रक मालिक की तलाश में देवरी रवाना हुआ पुलिस दल, चालक अभी भी लापता

अतुल्य भास्कर, सागर

फाईल फोटो

बहेरिया पुलिस थाना के अंतर्गत बामोरा में एक ढाबे पर उतारी जा रही अवैध शराब की पुलिस द्वारा जब्ती ओर 48 घंटे बाद भी इस अवैध शराब के मुख्य कर्ता-धर्ताओं का खुलासा नहीं कर पाने पर बहेरिया पुलिस की कार्यवाही पर सवाल उठने लगे है। लाखों रूपये कीमत की इस अवैध शराब की सच्चाई को दवाने के लिए बहेरिया पुलिस थाना द्वारा जिस प्रकार का घटनक्रम दर्शाने की कोशिश की जा रही है मामला वैसा है नहीं।

प्रत्यक्षदर्शी सूत्रों के अनुसार बहेरिया के बामोरा गांव में जिस स्थान पर अवैध शराब से भरे ट्रक खड़े हुए थे और एक ट्रक से बड़ी मात्रा में अवैध शराब एक ढाबा संचालक के गोदाम में उतारी भी जा चुकी थी। लेकिन पुलिस ने न तो अवैध शराब उतारे जाने का स्थान का खुलासा इस घटनाक्रम में नहीं किया गया है। यहीं नहीं अवैध शराब किस ढाबा के गोदाम में उतारी जा रही थी इसका भी पुलिस ने खुलासा नहीं किया है। इसके अलावा ट्रक चालक एवं अन्य आरोपी वहां से फरार हो गये और पुलिस ने तुरंत उनकी पतासाजी करने का प्रयास नहीं किया। दोपहर के समय की इस घटना की तह में जाने के लिए तथा मामला दर्ज करने के लिए बहेरिया पुलिस को 8 घंटे लग गये तब कहीं जाकर अवैध शराब का मामला दर्ज किया गया। लेकिन पुलिस द्वारा मामला दर्ज करते समय जो घटनाक्रम बताया गया वह पुलिस की निष्पक्षता पर सवालिया निशान लगा रहा है।

दरअसल इस पूरे मामले को एक अलग रूप देने का बहेरिया पुलिस द्वारा किया गया है। उससे हाईवे क्षेत्र में बहेरिया क्षेत्र के ढाबों पर बिक रही अवैध शराब एवं शराब माफिया को बचाने का प्रयास माना जा रहा है। जबकि प्रत्यक्षदर्शी सूत्र कह रहे है कि पुलिस को यह पूरी जानकारी की है कि यह अवैध शराब कहां से लाई गई है और किसके यहां लाई गई है।

मंगलवार को हुए अवैध शराब के इस बड़े खुलासे के बाद दूसरे दिन बहेरिया पुलिस द्वारा जब्त किये गये ट्रक एमपी 20 जी 7550 के ट्रक मालिक की पतासाजी की गई और पाया गया कि यह ट्रक देवरी नगर के व्यक्ति के नाम पर और पुलिस द्वारा ट्रक मालिक को पकड़ने के लिए एक दल देवरी भेजा गया है। ट्रक मालिक से ड्राइव की पतासाजी की जाएगी। इसके साथ-साथ बहेरिया पुलिस द्वारा बुधवार को आबकारी विभाग सागर को एक पत्र लिखकर यह जानकारी मांगी गई है कि ट्रक क्रमांक एमपी 20 जी 7550 में जब्त की गई अवैध शराब किसके नाम से और कहां के लिए जा रही थी।

सवाल यह है कि जब अवैध शराब का पूरा मामला है तो आबकारी विभाग को यह कैसे पता होगा कि यह शराब कहां के लिए जा रही थी। जबकि बहेरिया पुलिस द्वारा एक ढाबा संचालक के गोदाम में खाली हो रही इस अवैध शराब को लेकर ढाबा संचालक एवं गोदाम मालिक से किसी भी प्रकार की न तो पूछताछ की गई है और यह दर्शाया गया है कि अवैध शराब से भरा ट्रक आम सड़क मार्ग पर खड़ा हुआ था। यहीं से पूरे मामले को अलग- रंग रूप देने से पुलिस की कार्यवाही पर सवाल उठ रहे है।

कलेक्टर ने मूंग खरीदी केंद्रों का किया आकस्मिक निरीक्षण

अतुल्य भास्कर, सागर

कलेक्टर दीपक सिंह ने बुधवार को गढ़ाकोटा के मूंग खरीदी केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी जितेन्द्र पटेल ,तहसीलदार कुलदीप पाराशर ,श्री पी के परोहा, बी एल मालवीय आदि अधिकारी भी मौजूद थे।

कलेक्टर दीपक सिंह ने रहली विकासखंड के गढ़ाकोटा के मूंग खरीदी केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया और वहां विक्रय के लिए आते किसान भाइयों से बात कर उनसे जाना कि उन्हें मूंग खरीदी केंद्र पर किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं आ रही। उन्होंने मूंग खरीदी केंद्रों पर उपस्थित किसानों से चर्चा की और उनके उत्पादन एवं बिक्री की आवश्यक जानकारी प्राप्त की । उन्होंने खाद्य अधिकारी को निर्देशित किया कि, समस्त खरीदी केंद्रों पर उपार्जित की गई मुंग का परिवहन भी समय सीमा में कराया जावे। उन्होंने किसानों से भुगतान के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर सिंह ने खरीदी केंद्रों पर मूंग के स्टॉक का भौतिक सत्यापन भी किया। उन्होंने कहा कि शासन की गाइड लाइन के अनुसार जिले में मूंग खरीदी केंद्र स्थापित किए गए हैं। उनमें समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं और सभी किसानों को मोबाइल पर एसएमएस के माध्यम से उपार्जन केंद्रों पर आमंत्रित किया जा रहा है, जिससे यहां आसानी से मूंग का उपार्जन किया जा सके। उन्होंने बताया कि, समस्त उपार्जन केंद्रों पर कोविड गाइडलाइन का भी पालन कराया जा रहा है।

महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण को बेहतर बनाने के लिए कार्य करें: कमिश्नर

- बाल देखरेख संस्थाओं का निरीक्षण करें

अतुल्य भास्कर, सागर

कमिश्नर मुकेष शुक्ला ने महिला एवं बाल विकास विभाग की संभाग स्तरीय बैठक में विभाग के सभी जिलों के अधिकारियों को निर्देष दिए कि महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण को बेहतर बनाने के लिए कार्य करें। कमिश्नर ने विभाग के सभी जिला अधिकारियों को निर्देष दिए कि 15 दिनों के अंदर उनके जिलां में संचालित हो रहीं बाल देखरेख संस्थाओं का निरीक्षण करें। उन्होंने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में प्रगति लाने के निर्देष दिए। बैठक में संयुक्त संचालक पीएल प्रजापति, सागर की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती रचना बुधौलिया सहित संभाग के सभी जिलों के अधिकारी उपस्थित थे।

कमिश्नर षुक्ला ने जिलेवार विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में और अधिक प्रगति लाने के निर्देष दिए। बैठक में बताया गया कि इस योजना का उद्देश्य काम करने वाली महिलाओं की मजदूरी की भरपाई के लिए मुआवजा देने और उनके उचित आराम एवं पोषण को सुनिष्चित करना है। इस योजना में गर्भवती महिलाओं एवं स्तनपान करने वाली माताओं को पहले जीवित बच्चे के जन्म के दौरान फायदा होता है। योजना का लाभ हितग्राही के बैंक खाते में दिया जाता है। योजनांतर्गत 3 किष्तों में 5 हजार रुपए की राषि प्रदान की जाती है।

कमिश्नर शुक्ला ने निर्देष दिए कि पोषण पुनर्वास केंद्रों का पूरी क्षमता के साथ उपयोग हो। उन्होंने कहा कि अति कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती कराएं और उनका उपचार कराएं। जिससे वे सामान्य बच्चों की तरह स्वथ्य रहें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लाड़ली लक्ष्मी योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूर्ण करें। कमिश्नर शुक्ला ने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना अंतर्गत दी जाने वाली छात्रवृत्ति का समय पर बालिकाओं को लाभ मिले।

कमिश्नर शुक्ला ने सुकन्या समृद्धि योजना की समीक्षा करते हुए पोस्ट ऑफिस और महिला बाल विकास के अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना का लाभ अधिक से अधिक बालिकाओं को मिले। इस योजना में अभिभावक द्वारा बैंक या पोस्ट ऑफिस में 10 वर्ष तक की बालिका के नाम से खाता खुलवाकर प्रतिवर्ष 250 रुपए से लेकर डेढ़ लाख रुपए जमा किये जा सकते है। इस पर 7.6 प्रतिषत वार्षिक ब्याज दिया जाता है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना में कोई भी पात्र बालक योजना से वंचित न रहे। बैठक में कमिश्नर शुक्ला ने संभाग के जिलों में वन स्टाप सेंटर लाड़ली लक्ष्मी योजना, आंगनबाड़ी भवन, पोषण वाटिका निर्माण, पोषण आहार कार्यक्रम, टेक होम राषन आदि की समीक्षा की।

ईंट से भरा ट्रैक्टर डंपर से टकराकर हुआ दो टुकड़ा, चालक लापता

क्लीनर डंपर की केबिन में फंसा, कॉलेज का एक लाख का नुकसान

- पथरिया बम्होरी तिराहा रोड में मंगलवार देर रात की घटना

अतुल्य भास्कर, सागर

सिविल लाइन थाना अंतर्गत पथरिया बम्होरी तिराहा रोड पर स्थित ओजस्वनि कॉलेज के पास मंगलवार रात में ट्रैक्टर और डंपर की भिडंत होने पर डंपर कॉलेज की बाउंड्री तोड़ता हुआ बीच फंस गया। परिजनों के अनुसार घायल ट्रैक्टर चालक की कोई जानकारी अभी तक नहीं लगी है। डंपर चालक क्लीनर को डंपर में फंसा छोड़कर फरार हो गया, जिसे सुबह क्रेन की मदद से निकलकर इलाज के लिए भेज दिया गया है। वहीं पुलिस मामले की जांच में लगी हुई है।

मंगलवार रात लगभग ग्यारह बजे ट्रैक्टर चालक आशीष जैन ट्रैक्टर में ईंट भरकर अपने ग्राम उदयपुरा जा रहा था। तभी ओजस्वनि कॉलेज के पास पीछे तेज गति से आ रहे डंपर ने ट्रैक्टर में टक्कर मार दी और अनियंत्रित होकर कॉलेज की बाउंड्री बॉल तोड़ते हुए उसमें फंस गया।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर बीच से दो टुकड़े हो गया। वहीं डंपर चालक क्लीनर को डंपर के केबिन में फंसा छोड़कर भाग खड़ा हुआ, जिसे स्थानीय लोगो और क्रेन की मदद से बाहर निकाल कर पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल भेजा है, ट्रैक्टर चालक आशीष के परिजन ने बताया कि टक्कर की बजह से ट्रैक्टर टुकड़ो में विभाजित हो गया है । वहीं आशीष की सुबह तक कोई जानकारी नही मिली है। परिजनों के अनुसार उन्हें जानकारी मिली थी कि आशीष को सिर में चोट लगी थी। उसका मोबाइल और चप्पल घटना स्थल पर ही पड़े मिले हैं।

वही कॉलेज के सुरक्षा अधिकारी विश्वनाथ गौतम ने बताया कि दोनों वाहनों के चालक मौके से फरार हो गए हैं। डंपर चालक की गलती की वजह से यह हादसा हुआ है, जिसकी बजह से कॉलेज की बाउंड्री वाल टूटने पर लगभग एक लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

सद्भावना दिवस 20 अगस्त को मनाया जाएगा

अतुल्य भास्कर, सागर। भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निदेर्शानुसार 20 अगस्त को सद्भावना दिवस के रूप में मनाया जायेगा। सद्भावना दिवस पर सभी शासकीय कार्यालयों में प्रतिज्ञा दिलाई जायेगी। इसके तहत 20 अगस्त को प्रातः 11 बजे से सभी शासकीय कार्यालयों में अधिकारी और कर्मचारियों को सद्भावना की प्रतिज्ञा दिलाई जायेगी। इस दौरान कोविड-19 के संबंध में भारत सरकार, गृह मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा राज्य शासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। सभी शासकीय कार्यालयों में अधिकारियों, कर्मचारियों को जाति, सम्प्रदाय, क्षेत्र, धर्म अथवा भाषा का भेदभाव किए बिना सभी भारतवासियों की भावनात्मक एकता और सद्भाव के लिए कार्य करने की प्रतिज्ञा दिलाई जाएगी। साथ ही हिंसा का सहारा लिए बिना सभी प्रकार के मतभेद बातचीत और संवैधानिक माध्यमों से सुलझाने की भी प्रतिज्ञा दिलाई जाएगी।

भाजपा जिला स्तरीय स्वास्थ्य स्वयं सेवकों की कार्यशाला 14 को

अतुल्य भास्कर, सागर। कोरोना की संभावित तीसरी लहर को दृष्टिगत रखते हुये भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रत्येक मतदान केन्द्र पर स्वास्थ्य स्वयं सेवक तैयार किये जा रहे है। जिनके प्रशिक्षण हेतु आगामी 14 अगस्त को जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की जायेगी। कार्यशाला की तैयारियों हेतु बुधवार को भाजपा जिला कार्यालय में व्यवस्था बैठक आयोजित की गई। जिसमें मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष गौरव सिरोठिया, स्वास्थ्य स्वयं सेवक अभियान के जिला संयोजक देवेन्द्र कटारे, जिला महामंत्री श्याम तिवारी, वृन्दावन अहिरवार, जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह, नवीन भट्ट, जिला मंत्री श्रीमती प्रीति जैन, डॉ. दशरथ मालवीय, जिनेश साहू उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी देते हुये जिला संयोजक देवेन्द्र कटारे ने बताया कि कोविड काल में लगातार भाजपा कार्यकर्ता कठिन परिस्थितियों में भी समाज सेवा कार्य में लगे रहे। राष्ट्रीय नेतृत्व की मंशा अनुरूप कोरोना की संभावित तीसरी लहर को दृष्टिगत रखते हुये, भारतीय जनता पार्टी ने प्रत्येक मतदान केन्द्र पर स्वास्थ्य सेवाओं हेतु हमारे कार्यकर्ताओं को तैयार किया जाये। जो कि हर परिस्थिति में प्राथमिक उपचार एवं कोविड की रोकथाम हेतु जनमानस के बीच कार्य करेंगे। उक्ताशय की जानकारी मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन ने दी।

नई पीढ़ी को देश भक्ति के प्रति जागरूक करने की जरूरत : राजलक्ष्मी मांडा

- स्वतंत्रता दिवस की 75 वीं वर्षगांठ पर राष्ट्रीय एकता यात्रा पहुची सागर
- सुश्री राजलक्ष्मी मांडा के सागर नगर आगमन पर राष्ट्रीय एकता यात्रा का किया आयोजन

अतुल्य भास्कर, सागर

स्वतंत्रता दिवस की 75 वीं वर्षगांठ के पावन अवसर पर नारी शक्ति की प्रतीक लीगल लाइट्स काउंसिल-इंडिया की राष्ट्रीय महासचिव सुश्री राजलक्ष्मी मांडा जी राष्ट्रीय ध्वज के साथ मदुरई से अटल टनल मनाली हिमाचल प्रदेश तक बुलेट से 4450 कि.मी. की यात्रा कर रही है। इसी दौरान बुधवार को सागर पहुँची। डॉ. हरिसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय पर सुश्री राजलक्ष्मी मांडा जी का प्रतीक लीगल लाइट्स काउंसिल-इंडिया प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमति अनु शैलेन्द्र जैन एवं सागर विधायक शैलेन्द्र जैन तथा पार्टी कार्यकताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। विश्वविद्यालय पर डॉ. हरिसिंह गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर राष्ट्रीय एकता यात्रा शुभांरभ किया गया। नगर के मुख्य स्थानों पर राष्ट्रीय एकता यात्रा का स्वागत किया गया। विश्वविद्यालय से पुलिस लाईन-बी.सी. बंगला होते हुये लाल स्कूल गोपालगंज पर स्वागत-झंडा चैक गोपालगंज पर स्वागत-तीन बत्ती पहुँचकर डॉ. हरिसिंह गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। तत्पचात केशवगंज होते हुये विधायक शैलेन्द्र जैन के निवास पर राष्ट्रीय एकता यात्रा का समापन किया गया। सभी नगर वासियों ने राष्ट्रीय एकता यात्रा की प्रशंसा के साथ उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर विधायक शैलेन्द्र जैन के निवास पर पत्रकार वार्ता का आयोज भी किया गया।

काउंसिल-इंडिया प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमति अनु शैलेन्द्र जैन ने कहा कि, हम सबके लिये बड़े सौभाग्य की बात है कि हमे पुनः एक बार फिर सुश्री राजलक्ष्मी मांडा जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। आपके द्वारा किये जा रहे नारीशक्ति उत्थान कार्य अभूतपूर्व है। मैं समस्त नारी शक्ति से कहना चाहती हूँ कि सुश्री राजलक्ष्मी मांडा जी से प्रेरणा लेते हुये आत्म निर्भर बने एवं दूसरों को आत्मनिर्भरता की प्रेरणा दे। आपके एक प्रयास से हम अपने समाज एवं देश में हर नारी को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बना सकते है।

उन्होंने कहा एक महिला बुलेट चला सकती है या नहीं ऐसा संदेह आज भी हमारे देश में है। महिलाओं को जज्बा देने के लिये उनमें आत्म विश्वास पैदा करने के लिये इस यात्रा में बुलेट को चुना है। आज राष्ट्रगान एवं नेशनल फ्लैग का जगह-जगह अपमान होने लगा है। नई पीढ़ी को देश भक्ति के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है। इस यात्रा के माध्यम से हम लोगों में जन जागृति लाना चाहते है और हमारी पुरात्व संस्कृति एकता, अखण्डता को जीवित रखना चाहते है। इस यात्रा को हमने 8 अगस्त को प्रारंभ किया है 19 अगस्त को अटल टनल मनाली पहुँचेगें। इस यात्रा में हमारी 25 सदस्यी टीम है। हम 12 राज्यों से होते हुये मनाली पहुँचेगें। अभीत तक हम 2800 कि.मी. की यात्रा

दारू के लिए पैसे न देने पर मारपीट करने वाले आरोपी की जमानत निरस्त

अतुल्य भास्कर, सागर

न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सागर के न्यायालय ने आरोपी महेंद्र उर्फ गोलू पिता दशरथ अहिरवार उम्र 28 साल का जमानत आवेदन निरस्त करने का आदेश दिया। मध्यप्रदेश शासन की ओर से सुश्री किरण गुप्त एडीपीओ ने शासन का पक्ष रखा। घटना इस प्रकार है कि फरियादी 9 जून 2021 को शाम को जब मजदूरी करके वापस घर आ रहा था तभी रास्ते में आरोपी ने उससे दारु पीने के लिए पैसे मांगे फरियादी ने पैसे ना होने की वजह से इनकार किया, तो आरोपी ने लाठी-डंडे से उसके साथ मारपीट कर दी।

उक्त घटना की रिपोर्ट फरियादी ने थाना में उपस्थित होकर दर्ज कराई। अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया विवेचना के दौरान फरियादी का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया एवं आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। आरोपी के अधिवक्ता ने जमानत आवेदन न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जमानत आवेदन का विरोध करते हुए अभियोजन अधिकारी ने महत्वपूर्ण तर्क प्रस्तुत किए। न्यायालय द्वारा उभय पक्ष को सुना गया, अभियोजन के महत्वपूर्ण तर्को से सहमत होकर और केस डायरी का अवलोकन करने के उपरांत अपराध की गंभीरता व प्रकरण की तथ्य परिस्थितियों के आधार पर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सागर ने आरोपी महेंद्र उर्फ गोलू अहिरवार उम्र 28 साल निवासी मकरोनिया जिला सागर का जमानत आवेदन अंतर्गत धारा 437 द.प्र.सं. का आवेदन निरस्त करने का आदेश दिया।

...और बढ़ेगा बाघों का कुनबा: नौरादेही में बाघ-बाघिन का एक जोड़ा और लाने की तैयारी

बाघिन राधा और बाघ किशन से जन्में तीन शावकों में एक नर व दो मादा, तेंदुआ भेड़िया मगरमच्छों के साथ बढ़ी जैव विविधता

अतुल्य भास्कर, तेन्दूखेड़ा/दमोह

तीन जिलों में फैली और क्षेत्रफल के हिसाब से प्रदेश की सबसे बड़ी सेंचुरी नौरादेही अभ्यारण्य में बाघ-बाघिन का एक और जोड़ा लाने की तैयारी चल रही है। वाइल्ड लाइफ से जुड़े विशेषज्ञों ने बायो डायवर्सिटी (जैव विविधता) के लिए यहां बाघ-बाघिन को लाने की आवश्यकता जताई है। गौरतलब है कि दो साल पहले बाघिन राधा ने तीन शावकों को जन्म दिया था। ये तीनों युवा हो गए हैं। खुद शिकार करने लगे हैं। इनमें एक नर व दो मादा हैं। तीनों अब बाघिन राधा से दूरी बनाने लगे हैं। नौरादेही में बाघ शिफ्टिंग प्रोजेक्ट सफल होने के बाद यहां एक और जोड़ा लाने की अफसरों ने तैयारी शुरू कर दी है। सागर नौरादेही से इसका प्रस्ताव तैयार हो रहा है। अभी यह तय नहीं हुआ कि बाघ-बाघिन किस अभयारण्य से लाए जाएंगे। इसके पहले बांधवगढ़ से एक और बाघिन लाने की तैयारी थी, लेकिन यह प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ा था।

भेड़ियों के लिए प्रसिद्ध नौरादेही में सफल हुआ बाघ शिफ्टिंग प्रोजेक्टः भेड़ियों के प्राकृतिक वास के लिए प्रसिद्ध नौरादेही अभयारण्य में बाघों की दहाड़ गूंजने लगी है। मप्र के पन्ना टाइगर रिजर्व के बाद नौरादेही दूसरा सेंचुरी है, जहां बाघ शिफ्टिंग प्रोजेक्ट सफल रहा। अप्रैल 2018 में यहां कान्हा से बाघिन एन 1 लाई गई थी। जिसे राधा नाम दिया गया। राधा के नौरादेही अभ्यारण्य में रमने के बाद यहां बांधवगढ़ से बाघ एन-2 बाघा लाया गया। जिसे किशन नाम दिया गया। मई 2019 में राधा ने तीन शावकों को जन्म दिया। इस तरह तीन साल में अभयारण्य में बाघों में का कुनबा बढ़कर 2 से पांच पर पहुंच गया। नौरादेही अभयारण्य सागर, दमोह नरसिंहपुर तथा कुछ हिस्सा जबलपुर जिले में भी आता है जो कि 1200 वर्ग किमी भू-भाग में फैला हुआ है जहां बाघ बाघिन और तीनों शावकों को भी अभ्यारण्य काफी पसंद आ रहा है जहां तीनों शावक एक साथ घूमते हुए देखे जा चुके हैं

अभ्यारण्य में तेंदुआ की संख्या बढ़ने से मिला लैपर्ड स्टेट का दर्जाः अभ्यारण्य में दो बाघों से 5 बढ़ती संख्या के बाद तेंदुआ की संख्या में भी बढोत्तरी हुई है अभ्यारण्य में तेंदुओं की संख्या लगातार बढ़ी रही है पिछले एक दशक में इनकी संख्या लगभग दोगुनी हो गई है जहां वर्ष 2010-11में 10 से 12तेंदुए ही अभ्यारण्य में दिखाई देते थे लेकिन अब 20से 25 बताई जा रही है और अभ्यारण्य अन्य जीवों की तरह तेंदुओं का भी बसेरा बन चुका है

जैव विविधता के लिए विख्यात नौरादेहीः प्रदेश के तीन जिले की सीमा में फैले हुए व सबसे बड़े नौरादेही अभ्यारण्य में वन्यजीव ही नहीं दुर्लभ प्रजाति के पक्षियों के लिए जाना जाता है यहां सैलानी वर्ड वॉचिंग के लिए भी आते हैं फरवरी 2020 में हुए बर्ड वॉचिंग सर्वे में गिद्ध की विलुप्त होती 5 प्रजातियां पाई गई थी वहीं 162प्रजाति की चिड़िया भी देखी गई थी इसी तरह मार्च माह में हुई मगरमच्छों की गणना की गई थी जिसमें 14 जलाशय में 214 मगरमच्छ मिले थे वहीं यहां पर बाघ बाघिन और तीन शावकों के साथ बढ़ता कुनवा और भबिष्य में अफ्रीकन चीतों के आने की उम्मीद लगी हुई है जिससे कि बुंदेलखंड का सबसे बड़ा पर्यटन स्थल बनने की संभावना है।

नौरादेही अभ्यारण्य में बढ़े वन्यजीवः अभ्यारण्य में जहां सभी वन्यजीवों की संख्याओं में बढोत्तरी हुई है तो इसी तरह भेड़ियों की संख्या में सबसे ज्यादा बताई जाती है ऐसा माना जाता है कि प्राकृतिक और भौगोलिक कारणों से भेड़ियों का प्राकृतिक आवास है एक समय था इस इलाके में भेड़ियों की सबसे बड़ी संख्या मौजूद थी इसी कारण अभ्यारण्य को भेड़ियों का आवास का दर्जा दिया गया है।

इनका कहना है

इस संबंध में नौरादेही डीएफओ नवीन गर्ग ने बताया कि अभी आर्डर नहीं है लेकिन संभावना बनी हुई है अभ्यारण्य में एक और जोड़ा लाने की

-नवीन गर्ग डीएफओ नौरादेही अभ्यारण्य सागर

थाना केसली में आगामी त्योहारों के संबंध में हुई शांति समिति की बैठक, 50 लोगों से ज्यादा लोग एकत्रित ना हो

- बाहर से आए लोगों का टेंपरेचर चेक कराएः थाना प्रभारी

अतुल्य भास्कर, केसली

थाना केसली में आने वाले त्योहार रक्षाबंधन एवं मोहर्रम के संबंध में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी मकसूद अली ने कहा कि आगे आने वाले त्यौहार रक्षाबंधन, मोहर्रम में 50 लोगों से ज्यादा लोग एकत्रित ना हो त्योहार पर बाहर से आने वाले लोगों का टेंपरेचर चेक कराएं बाहर से आने वाले संदिग्ध लोगों की जानकारी थाना केसली में दें। बैठक में तहसीलदार प्रशांत अग्रवाल ने कहा कि आगे आने वाले त्योहारों में लोग कोरोना की तीसरी लहर को देखते हुए कोरोना की गाइडलाइन का पालन करें। सभी लोग वेक्सीन का पहला एवं दूसरा डोज जरूर लगवाएं। बैठक मैं उपस्थित ग्राम के गणमान्य नागरिकों से भी पुलिस ने सुझाव लिए। शांति समिति बैठक में तहसीलदार प्रशांत अग्रवाल, थाना प्रभारी मकसूद अली खान, विमल कुमार डेवड़िया, उमेश खेंहुरिया, अंबिका प्रसाद सोनी,जेई सुरेंद्र मर्सकोले, प्रमोद जैन, विमलेश श्रीवास्तव, हबीब खान, शकूर खान, हाफिज खान, राजेश शुक्ला, कमलेश सोनी, योगेश चौहान, रामदेव नामदेव सहित ग्राम के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा अनमोल एप मॉडयूल का प्रशिक्षण आयोजित

होशंगाबाद। जिला प्रशिक्षण केंद्र जिला चिकित्सालय होशंगाबाद में 11 अगस्त बुधवार को अनमोल एप माड्यूल का प्रशिक्षण जिले के सभी ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर, बीईई, बीसीएम व ऑपरेटर को डब्ल्यूएचओ के प्रतिनिधि डॉ अविनाश कनेरे ने प्रदान किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ दिनेश कौशल ने सभी ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर को एनसीडी (असंचारी रोग) स्क्रीनिंग संबंधी कार्य शत-प्रतिशत लक्ष्य उपलब्धि माहवार पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मैदानी स्तर के स्वास्थ्य कार्यकताओं से भरे हुए पूर्ण सिबेक फॉर्म पोर्टल में एन्ट्री कराने के भी निर्देश दिए। डॉ अविनाश कनेरे ने हेल्थ वैलनेस सेंटर में सभी प्रकार के रोगियों जैसे ब्लड प्रेशर, शुगर इत्यादि के मरीजों का उपचार, जांच व वितरित दवा एवं फालोअप मरीजों की जानकारी सॉफ्टवेयर में एंट्री करने का प्रशिक्षण दिया। अनमोल एप के नए वर्जन का प्रशिक्षण मनोज मौर्य द्वारा दिया गया। श्री मौर्य द्वारा अनमोल एप में नए वर्जन में वर्तमान गर्भवती महिलाओं की पूर्ण जानकारी के साथ एन्ट्री संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। जिससे हितग्राही के खाते में पीएसवाई की राशि सुचारू रूप से जमा हो सके। प्रशिक्षण में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ नलिनी गौड, सिविल सर्जन डॉ दिनेश दहलवार, डब्ल्यूएचओ से डॉ अविनाश कनेरे, डीसीएम शैलेन्द्र शुक्ला, डीपीएम दीपक डेहरिया, राजेंद्र चौहान, मीडिया प्रभारी सुनील साहू एव सभी विकासखंडों से विकासखंड चिकित्सा अधिकारी,बीईई, बीसीएम एवं आपरेटर उपस्थित रहे।

नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

अतुल्य भास्कर, सागर

नवोदय विद्यालय में प्रवेश हेतु आयोजित प्रवेश परीक्षा केंद्र संभागीय ज्ञानोदय उच्चत माध्यमिक विद्यालय तिली का निरीक्षण लोक शिक्षण कार्यालय सागर संभाग के उप संचालक प्राचीश जैन एवं सहायक संचालक जेपी सिन्हा द्वारा किया गया।

इस अवसर पर समन्वयक शिवेंद्र बंसल उपस्थित रहे। परीक्षा केंद्र पर कुल 299 परीक्षार्थियों में से 230 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए. 69 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे. विद्यालय के 25 कक्षों में परीक्षा का आयोजन सुचारू रूप से पाया गया। 28 पर्यवेक्षक ड्यूटी पर रहे। इसके साथ ही शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तिली का निरीक्षण जैन द्वारा किया गया, जहाँ पर कक्षा 10 वी की कक्षा कोविड नियमों का पालन करते हुए संचालित पायी गई। निरीक्षण के दौरान 21 छात्र उपस्थित पाए।

आबकारी और पुलिस की नाक के नीचे धड़ल्ले से चल रहा अवैध शराब का कारोबार, भगवती मानव कल्याण संगठन ने

- 50 दिन में 50 जगह से पकड़ी अवैध शराब

अतुल्य भास्कर, दमोह

भगवती मानव कल्याण के द्वारा नशा मुक्ति जन आंदोलन का अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत संगठन के कार्यकर्ताओ के द्वारा रातों रात जाग कर अवैध शराब पकड़वाई जा रही है। यह अभियान श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के द्वारा चलाया जा रहा है शक्तिपुत्र जी महाराज के भक्त द्वारा लगातार शराब पकड़ने में लगे हुए संगठन द्वारा 50 दिन में 50 जगह शराब पकड़ चुका है। मुख्यमंत्री द्वारा भले ही जहरीली शराब बेचने बालो पर उम्र कैद की सजा की बात कही गई हो लेकिन शराब माफियाओ द्वारा खुलेआम शराब बेची जा रही है। शासन प्रशासन पर सवाल उठ रहे है संगठन एवं भारतीय शक्ति चेतना पार्टी द्वारा 50 दिन में 50 जगह शराब पकड़ना दशार्ता है कि जिले में निश्चित रूप से अवैध शराब का कारोबार फल फूल रहा है। पुलिस का शराब माफियाओ में कोई डर नहीं है ।एक बार फिर दमोह जिले के सेक्टर बांदकपुर एवं बनवार में गाड़ी जिसका नम्बर एमपी 34 एमजे 7077 काले कलर होंडा मोटरसाइकिल अंग्रेजी शराब की तीन पेटी जिसमें 24 वोतल बियर, 24 पाव रम पकड़ी गई। आरोपी हरिसीगं पिता गुलाब सीगं निवासी हिण्डोरिया उम्र 25बर्ष, विनोद पटैल पिता दिनेश पटैल उम्र 27 बर्ष निवासी रामनाथ पिपरिया को अवैध शराब के साथ धर दबोचा गया।

विदित हो कि कुछ समय पूर्व ही अवैध शराब के कारोबार में लिप्त एक पुलिस आरक्षक को अपनी ही गाड़ी में अवैध शराब ले जाते रंगे हाथ पकड़ा गया था। जिससे पुलिस की बढ़ी किरकिरी हुई थी। सवाल उठता है कि जब पुलिस वाले ही शराब तस्करी में लिप्त है तो अवैध शराब बेचने वाले माफियों पर शिकंजा कौन कसेगा।

कीटव्याधि प्रकोप के नियंत्रण और किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन देने के लिए डायग्नोस्टिक टीम गठित

अतुल्य भास्कर, होशंगाबाद

जिले में खरीफ 2021 में फसलों की स्थिति अंतर्गत कीटव्याधि प्रकोप के निरीक्षण एवं नियंत्रण तथा किसानों को समयानुसार तकनीकी मार्गदर्शन देने के लिए जिले में कलेक्टर धनंजय सिंह के निदेर्शानुसार निगरानी दल (डायग्नोस्टिक टीम) का गठन किया गया है। यह दल निर्धारित विकासखंडो में सतत फील्ड भ्रमण करेंगे और फसलों में कीटव्याधि प्रकोप का निरीक्षण एवं किसानों को आवश्यक तकनीकी सलाह देंगे। उप संचालक कृषि जितेन्द्र सिंह ने बताया है कि किसानों की सुविधा के लिए विकासखंड होशंगाबाद, सिवनीमालवा, केसला एवं बाबई के लिए वरिष्ठ पौध रोग विशेषज्ञ डॉ. के के मिश्रा मोबाईल नंबर 8962246163, कृषि वैज्ञानिक डॉ. ब्रजेश नामदेव 9713029007, डॉ. धनजय कटहल 8226020444 , एसडीओ कृषि राजीव यादव 9755623436, सहा संचालक कृषि उपेन्द्र शुक्ला 9303379660 एवं सहायक संचालक आत्मा गोविन्द मीणा 9301373119 तथा अनुविभाग पिपरिया अंतर्गत विकासखंड पिपरिया, सोहागपुर एवं बनखेड़ी के किसान भाई कृषि वैज्ञानिक डॉ. संजीव गर्ग मोबाईल नंबर 9074929751, वरि कृषि वैज्ञानिक डॉ.विनोद कुमार 9425044950, कृषि वैज्ञानिक देवीदीन पटेल 9424854251, डॉ. एएस निनामा 9669848248, अनुकृषि अधि जेएल कासदे 7049896244 एवं सहायक संचालक कृषि योगेन्द्र बेडा के मोबाईल नंबर 9754776901 पर संपर्क कर सकते हैं।

सभी बैंकर्स वार्षिक साख योजना अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों को समयसीमा में पूर्ण करें: कलेक्टर

- जिले के सर्वांगीण विकास में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए

- जिले में वार्षिक साख योजना 2021-22 अनुसार करें कार्यवाही

अतुल्य भास्कर, होशंगाबाद

जिले की वार्षिक साख योजना 2021-22 अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों को समय सीमा में पूर्ण करें । जिले के सर्वांगीण विकास में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। यह निर्देश कलेक्टर होशंगाबाद धनंजय सिंह ने सभी बैंकर्स को दिए हैं । बुधवार को वार्षिक साख योजना के संबंध में कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री सिंह की अध्यक्षता में डीएलसीसी की बैठक आयोजित की गई । बैठक में जिला पंचायत सीईओ मनोज सरियाम, नाबार्ड से नरेश तिजारे, एलडीएम रमेश हिले एवं सभी के बैंको के प्रतिनिधि उपस्थित रहें। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी बैंकर्स को निर्देशित करते हुए कहा है कि वें विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं अंतर्गत जरूरतमंद लोगों को ऋण सुविधा प्रदान कर उनके सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान में सहयोग करें । साथ ही उच्च शिक्षा ऋण एवं ग्रामीण व शहरी आवास योजनाओं में सकारात्मक योगदान प्रदान करें, ताकि योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों को मिल सके।

उल्लेखनीय है कि जिले में अग्रणी बैंक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक की अग्रणी बैंक योजना अंतर्गत जिले की वार्षिक साख योजना 2021-22 के लिए 8756.15 करोड़ रुपए की राशि प्रावधानित की गई है। प्लान में जिले के कृषि ,उद्योगों के वहुमुखी विकास के साथ गरीबी उन्मूलन व रोजगार मूलक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से हितग्राहियों को लाभान्वित करने के कार्य को प्राथमिकता दी गई। जिले की वार्षिक साख योजना के लिए 8756.15 करोड़ की राशि में प्राथमिक क्षेत्र के लिए 7996.50 करोड़ रुपए की राशि निर्धारित की गई है। चूंकि होशंगाबाद जिला कृषि प्रधान जिला है, जिले में कृषि क्षेत्र में ऋण उपलब्ध कराने के लिए 6580.86 करोड़ का लक्ष्य रखा गया हैं। वार्षिक साख योजना में गरीबी उन्मूलन योजनाओं , रोजगार मूलक योजनाओं एवं अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं का भी समुचित समावेश किया गया है।

मौसम जनित बीमारियों के प्रभावी रोकथाम के लिए सर्वे एवं फागिंग कार्य सतत जारी

होशंगाबाद। जिले में डेंगू, मलेरिया, आदि वर्षा जनित बीमारियों के प्रभावी रोकथाम के लिए कलेक्टर धनंजय सिंह के निदेर्शानुसार मलेरिया विभाग द्वारा अभियान के रूप में प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में मलेरिया विभाग के निगरानी दल द्वारा बुधवार 11 अगस्त को होशंगाबाद नगर के सदर बाजार क्षेत्र में घर-घर जाकर लार्वा सर्वे, लार्वा विनिष्टिकरण एंव फांगिग कार्य किया गया है। ऐसे स्थान जहाँ वषाकाल में पानी का जमाव होता है एवं मच्छरों का लार्वा पनपने की संभावना होती है, उन्हें खाली कराया गया तथा रुके हुये जल में टीमोफॉस डाला गया।

नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा का हुआ आयोजन

अतुल्य भास्कर, केसली

शासकीय उत्कृष्ट उच्च मा विद्या केसली में जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2021 का आयोजन प्रातः 11 बजे से किया गया जिसमें 340 विद्यार्थियों में से 262 उपस्थित व 78 विद्यार्थि अनुपस्थित रहे। परीक्षा में बीईओ पी के जैन,बीआरसी राजकुमार दीवान.,उत्कृष्ट उच्च मा विद्या की प्राचार्य श्रीमति केशर ठाकुर उपस्थित रही। उक्त परीक्षा में उत्कृष्ट विद्यालय के समस्त शिक्षको सहित संकुल के अन्य शिक्षको ने भी सहयोग प्रदान किया। दोपहर 1.30 तक समस्त परीक्षा शांति पूर्वक सम्पन्न हुई। परीक्षा की समाप्ति पश्चात खुरई से पधारे पर्यवेक्षक सुरेश पाटिल ने सभी शिक्षको का आभार प्रदर्शन किया।

गरीब व्यक्ति की दुकान को गांव के ही लोगों द्वारा दुकान में तोड़फोड़ की गई

अतुल्य भास्कर, धार। ग्राम बडलीपुरा के गरीब शिक्षित युवा जो स्वयं छोटा सा व्यवसाय कर अपना जीवन यापन कर रहा हे उसके व्यवसाय को अराजक तत्व ने नष्ट करने का प्रयास किया तथा उसके साथ मारपीट व अभद्रता की गई जिसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक कार्यालय में की गई । ग्राम बड़लीपुरा निवासी बख्तावर सिंह पिता नान सिंह जो अपने जीवन यापन के लिए एक छोटी सी किराने की दुकान एवं आटा पीसने की चक्की चलाता है तथा उसी से अपना व अपने परिवार का जीवन यापन करता है । जो शिक्षित युवा अपने स्वयं का एक छोटा सा व्यवसाय करता परंतु कुछ अराजक तत्व महेश चक्की पर आटा पिसाने आया था। तभी कुंवर पिता मुनिया, धारिया पिता मुनिया, लालसिंह पिता जामसिंह ने महेश के साथ गाली गलौज कर उसका गला दबाकर उसे मारने लगे। तभी दुकानदार बख्तावर सिंह द्वारा दोनों पक्षों को छुड़वाया जा रहा था । तो उन लोगों ने दुकान तोड़फोड़ कर दी और उसे भी गाली गलौज देकर मारने लगे और दोनों को जान से मारने की धमकी दी गई हैं । गांव के ही कुछ लोगों ने आकर महेश, बख्तावरसिंह की जान बचाई ।

बारूद के ढेर पर बैठा पथरिया नगर, कभी भी हो सकता है भयंकर हादसा

स्कूल, पुलिस थाना व अस्पताल के नजदीक भयंकर खतरा, रहवासी एरिया में खुली गैस एजेंसी

अतुल्य भास्कर, पथरिया

समूचा नगर बारूद के ढेर पर बैठा हुआ है। दरअसल पुलिस थाना, अस्पताल व स्कूल के समीप रहवासी एरिया में गैस एजेंसी का संचालन किया जा रहा है। इतना ही नहीं जहां गैस एजेंसी खोली गई है वहां पर वेल्डिंग की दुकान भी धड़ल्ले से संचालित हो रही है। अर्थात कभी भी किसी भयंकर विस्फोट का होना लगभग तय माना जा रहा है। हालात यह है कि पिछले 3 साल से गैस एजेंसी का संचालन किया जा रहा है लेकिन इस और न तो जिले के प्रशासनिक अधिकारियों का ध्यान गया है और ना ही पुलिस अधिकारियों का।

शासन द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी बसाहट भरे क्षेत्र में गैस एजेंसियों का संचालन नहीं किया जाए, लेकिन पथरिया में तमाम नियम कायदे ताक पर रखते हुए खुलेआम गैस एजेंसी का संचालन किया जा रहा है। नाम मात्र के लिए बाहरी क्षेत्र में गोदाम बनाई गई है, लेकिन सैकड़ों की तादात में भरे हुए गैस सिलेंडर एजेंसी में ही रखे जाते हैं, यह बात किसी से छिपी नहीं है।

खास बात यह है कि यहां से एसडीएम, तहसीलदार, थाना प्रभारी सहित अन्य अधिकारियों का दिन भर आवागमन होता है लेकिन अभी तक किसी ने गंभीरता नहीं दिखाई। क्षेत्र के दुकानदारों सहित रहवासी लोगों का कहना है कि गैस एजेंसी का संचालन रहवासी क्षेत्र से बाहर होना चाहिए अन्यथा किसी भी बड़ी हाथ से के होने पर जिम्मेदारी लेने कौन तैयार होगा? क्या प्रशासनिक अधिकारी किसी भी भयंकर हादसे की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार होंगे या पुलिस अधिकारी?

इस पूरे मामले में स्थानीय निवासी गिरधारी लाल, मनोहर, रामप्रसाद, मनहर, गुड्डू, सतीश, पप्पू सहित अन्य लोगों का कहना है कि कलेक्टर को चाहिए कि वह जल्दी ही गैस एजेंसी रहवासी क्षेत्र से दूर करें अन्यथा उन सब लोगों को आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

मुख्य थाने तिराहे पर खुली गैस एजेंसी रहवासियों की जानमाल को खतरा शासन की गाइड लाइन के अनुसार ज्वलनशील ईंधन आबादी क्षेत्र के बाहर संचालित की जानी चाहिए लेकिन पथरिया नगर के मुख्य चौराहे के समीप खुली महाकाल गैस एजेंसी विगत कई वर्षों से संचालित की जा रही है एवं बीच सड़क पर पड़े हुए गैस सिलेंडर रख दिए जाते हैं वहीं से आए हुए उपभोक्ताओं को सप्लाई किए जाते हैं गौरतलब यह है कि गैस एजेंसी के पीछे पथरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बना हुआ है जिसमें प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में मरीजों का आना जाना लगा रहता है एवं मुख्य थाने तिराहे के समीप चाय पान की गुमटी छोटे बच्चों का स्कूल एवं गैस एजेंसी के सामने वेल्डिंग की दुकान संचालित की जाती है ऐसे में क्षेत्र में किसी दिन अनहोनी हो सकती है जिम्मेदार लोगों द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है एवं किसी बड़ी घटना के आमंत्रण से यह गैस एजेंसी कम नहीं है।

इनका कहना है

आपके द्वारा जानकारी लगी है। जांच करवाते हैं।

- अलोक जैन तहसीलदार

आपके द्वारा जानकारी प्राप्त हुई है जांच करवाते है नोटिस जारी करते हैं।

- मथरा प्रसाद गौड़, टीआई पथरिया

सुविचार

मंजिल तक पहुंचना है तो कभी राह के कांटों से मत घबराना, क्योंकि कांटे ही तो बढ़ाते हैं रफ्तार हमारे कदमों की।
– अज्ञात

आसान नही हैं राह

बीते दो सप्ताह से सरकार से आरपार के संघर्ष की बात कर रहे विपक्षी दल संसद में ओबीसी आरक्षण विधेयक पर एकजुट हैं तो बात गौरतलब होती है। यह देश की सामाजिक ही नहीं राजनीतिक संरचना में भी आरक्षण का महत्व साबित करने वाला घटनाक्रम है। कोई पार्टी इस आरक्षण के विरोध में दिखना कतई पसंद नहीं करेगी।हालांकि, विपक्ष ने पहले ही इस विधेयक को चर्चा के बाद पारित करने की बात कही लेकिन सत्ता पक्ष को शायद विपक्ष पर कम विश्वास है। इसीलिए भारतीय जनता पार्टी ने राज्यसभा में अपनी पार्टी के सांसदों के लिए तीन लाइन का एक ह्विप जारी किया। इसमें पार्टी सांसदों से दस व ग्यारह अगस्त को सदन में मौजूद रहने को कहा गया। भाजपा ने अपने लोकसभा सांसदों से भी सदन में उपस्थित रहने की अपील की है। इससे ओबीसी आरक्षण संबंधी विधेयक के महत्व को समझा जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि जब निचले सदन में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार ने अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित संविधान विधेयक, 2021 पेश किया तो लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने आगे बढ़कर कहा था कि आज सभी विपक्षी दलों ने बैठक की है और निर्णय लिया है कि उक्त विधेयक पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। हालांकि सदन में तो हर विधेयक पर चर्चा होना अच्छी बात है। पिछले कुछ वर्ष गवाह है कि अनेक महत्वपूर्ण विधेयकों को भी बिना बहस पारित होते देखा है। अबअन्य पिछड़ा वर्ग के कल्याण से संबंधित विधेयक का पारित होना जरूरी है। केंद्र सरकार की तारीफ करनी चाहिए कि वह राज्य सरकारों को ओबीसी की सूची बनाने का अधिकार दे रही है। अभी तक यह अधिकार केवल केंद्र सरकार के पास था, लेकिन विगत वर्षों से राज्यों ने भी अपनी जरूरत के हिसाब से ओबीसी सूची को अंजाम दिया है। अभी 5 मई को ही मराठा आरक्षण से संबंधित मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राज्य को ओबीसी सूची बनाने का अधिकार नहीं है।अब केंद्र सरकार चाहती, तो इस अधिकार को अपने पास रख सकती थी, स्थानीय जरूरतों को देखते हुए अगर केंद्र सरकार ने राज्यों को मजबूत करने की दिशा में एक कदम बढ़ाया है, तो स्वागत है।

वैसे आगे की राह आसान नहीं होगी और एक राज्य की देखा-देखी, दूसरे राज्यों में भी आरक्षण की मांग उठेगी। जाति आधारित आरक्षण में अगर एकरूपता नहीं होगी, तो जाति आधारित राजनीति को ही बल मिलेगा। इस संविधान संशोधन से जहां राजनीति का विस्तार होगा, वहीं यह भी संभव है कि दबंग जातियों का स्थानीय स्तर पर वर्चस्व भी बढ़े। यही वजह है कि राजनीतिक दलों को सावधान रहना चाहिए।वैसे भी, आरक्षण के लिए बार-बार संविधान बदलने से ज्यादा जरूरी है कि पिछड़ी जातियों को पूरी तेजी के साथ आगे लाया जाए, उनके कल्याण के लिए सियासत से ऊपर उठकर तमाम जरूरी कदम उठाए जाएं,यदि ऐसा होता रहा होता या आगे ही सही मगर ऐसा होता रहे तो बहुत सारे मुद्दे,खटास,राजनीतिक भिडंते समाप्त हो सकती हैं और समाज भी सही तौर पर राजनीतिज्ञों के बारे में निर्णय ले सकता है।

इंटरनेट गेमों की खुमारी में गुम होता बचपन

ललित गर्ग

कोरोना महामारी के लॉकडाउन के कारण स्कूली शिक्षा ऑनलाइन हुई और छोटे-छोटे बच्चें इंटरनेट की दुनिया एवं इंटरनेट गेमों से जुड़ गये। ये गेम एवं इंटरनेट की बढ़ती लत बच्चों में अनेक विसंगतियों, मानसिक विकारों एवं अस्वास्थ्य के पनपने का कारण बनी है, यह आदत बच्चों को एकाकीपन की ओर ले जाती है और एक समय के बाद वे अवसाद (डिप्रेशन) से घिर जाते हैं।

बच्चे इंटरनेट गेम के आदी हो रहे हैं, धीरे-धीरे अपनी पढ़ाई और सामाजिक हकीकत से दूर होकर आभासी दुनिया के तिलिस्मी संसार में रमते जा रहे हैं। इस खौफनाक संसार ने बच्चों को आत्महत्या करने या हत्या करने की विवशता दी है, जो नये बनते समाज के लिये बहुत ही चिन्ता का विषय है।

इसी चिन्ता के मद्देनजर दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह बच्चों को ऑनलाइन गेम की लत से बचाने के लिए राष्ट्रीय नीति बनाने पर गंभीरता से विचार करें। दरअसल, बच्चों के बीच ऑनलाइन गेम खेलने की लत अब एक व्यापक समस्या बनती जा रही है, इसके घातक परिणाम भी सामने आ रहे हैं और लोगों के बीच इसे लेकर चिंता बढ़ रही हैं। कोरोना महामारी से पहले घरों में बच्चे अगर ज्यादा वक्त टीवी, कंप्यूटर या स्मार्टफोन में व्यस्त रहते थे तब अभिभावक उन्हें टोक देते थे। लेकिन अब आनलाइन पढ़ाई होने की वजह से हर वक्त बच्चे इंटरनेट से जुड़े रहते हैं। जब बच्चों के खेलने, मिलने-जुलने एवं परिचितों के यहां जाने की स्थितियां समाप्तप्राय है तब उन्हें खुद को व्यस्त रखने का आसान रास्ता इंटरनेट की दुनिया में व्यस्त होना लगता है।

आज इंटरनेट का दायरा इतना असीमित है कि अगर उसमें सारी सकारात्मक उपयोग की सामग्री उपलब्ध हैं तो बेहद नुकसानदेह, आपराधिक और सोचने-समझने की प्रक्रिया को बाधित करने वाली गतिविधियां भी बहुतायत में मौजूद हैं। आवश्यक सलाह या निर्देश के अभाव में बच्चे ऑनलाइन गेम या दूसरी इंटरनेट गतिविधियों के तिलिस्मी दुनिया में एक बार जब उलझ जाते हैं तो उससे निकला मुश्किल हो जाता है। इंटरनेट पर बच्चों के लिये चर्चित गेम है 'ब्लू व्हेल'। इस गेम की वजह से कई बच्चों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा था। इस गेम में कुछ टास्क पूरे करने होते थे और बच्चे उसमें उलझते चले जाते थे। इस गेम का अंतिम टास्क 'आत्महत्या' होता था। इस तरह के गेमों के कारण बच्चों की लगातार हो रही आत्महत्या, बढ़ते तनाव एवं अवसाद की घटनाओं को देखते हुए न्यायालय को इसमें हस्तक्षेप करते हुए इन गेमों पर बैन लगाना पड़ा।

पांच वर्ष से अठारह वर्ष के बच्चों में मोबाइल या टेक्नोलॉजी एडिक्शन की लत बढ़ रही है, जिनमें स्मार्ट फोन, स्मार्ट वॉच, टैब, लैपटॉप आदि सभी शामिल हैं। यह समस्या केवल भारत की नहीं, बल्कि दुनिया के हर देश की है। ऐसे अनेक रोगी बच्चें अस्पतालों में पहुंच रहे हैं, जिनमें इस लत के चलते बच्चे बुरी तरह तनावग्रस्त थे। कुछ दोस्त व परिवार से कट गए, कुछ तो ऐसे थे जो मोबाइल न देने पर पेरेंट्स पर हमला तक कर देते थे। बच्चे आज के समय में अपने आप को बहुत जल्दी ही अपनी उम्र से ज़्यादा बड़ा महसूस करने लगे हैं। अपने ऊपर किसी भी पाबंदी को बुरा समझते हैं, चाहे वह उनके हित में ही क्यों ना हो।

जब हम कोरोनाकाल के संकटों की बात

करते हैं तो इसके दुष्प्रभावों में अर्थव्यवस्था के नुकसान, बेरोजगारी, सामुदायिक स्वास्थ्य पर खतरों को गिनते हैं लेकिन बच्चों के स्वास्थ्य और आनलाइन शिक्षा के खतरों को भूल जाते हैं। बड़ा तबका हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी के बच्चों के कॅरियर के लिए महत्वपूर्ण एक साल बिगड़ने की तो चिन्ता तो करता है, लेकिन उनका जीवन तबाह होने की कोई चिंता नहीं करता है। कोरोना संकट के बीच बच्चों की सेहत, पनप रही गलत आदतों और पढ़ाई को लेकर हमारी चिंताएं वास्तव में बहुत सतही हैं। मनोचिकित्सकों का कहना है कि मोबाइल एडिक्शन एक गंभीर रोग है। इसका सबसे ज्यादा असर बच्चों के दिमाग पर पड़ रहा है। ऐसे मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जिनमें बच्चों में बढ़ती आभासी दुनिया की लत उन्हें तनाव दे रही है, अवसादग्रस्त बना रही है, हिंसक बना रही है।

इंटरनेट की यह आभासी दुनिया ना जाने और कितने सूरज व छोटे बच्चों को अपनी जाल में फंसाएगी और उनका जीवन तबाह करेगी। बच्चों के इंटरनेट उपयोग पर निगरानी व उन्हें उसके उपयोग की सही दिशा दिखाना बेहद ज़रूरी है। यदि मोबाइल की स्क्रिन और अंगुलियों के बीच सिमटते बच्चों के बचपन को बचाना है, तो एक बार फिर से उन्हें मिट्टी से जुड़े खेल, दिन भर धमा-चैकड़ी मचाने वाले और शरारतों वाली बचपन की ओर ले जाना होगा। ऐसा करने से उन्हें भी खुशी मिलेगी और वे तथाकथित इंटरनेट से जुड़े खतरों से दूर होते चले जाएंगे। अक्सर ऐसी खबरें आती रहती हैं कि किसी बच्चे ने ऑनलाइन गेम में जुआ खेलने में काफी पैसे गंवा दिए। कभी अभिभावक ने ज्यादा खेलने से मना किया तो तनाव में आकर बच्चे ने खुदकुशी कर ली। ऐसी घातक घटनाएं भले ही आम नहीं हों, लेकिन इतना तय है कि आने वाले समय के समाज की खौफनाक एवं त्रासद तस्वीर बयां कर रही है। इंटरनेट की दुनिया में जरूरत से ज्यादा व्यस्तता बच्चों के कोमल मन-मस्तिष्क पर न केवल घातक बल्कि आपराधिक असर भी डाल रही है और उन्हें मनोवैज्ञानिक रूप से गहराई से प्रभावित कर रही है। इक्कीसवीं सदी के आरम्भ से ही दुनिया भर के घरों में इंटरनेट ने अपनी पैठ बनानी प्रारम्भ कर दी थी, लेकिन कोरोना महामारी ने यह लत और गहरी पैठा दी है। पहले यह घरों तक पहुंचा, फिर इंसान की जिंदगी में घुसा और अब उनके दिलों-दिमाग पर हावी है। इस इंटरनेट की आभासी दुनिया का सबसे ज़्यादा दुष्प्रभाव बच्चों के नाजूक मन पर पड़ रहा है और इसके कुचक्र से वे बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। इसके लिए स्वयं बच्चों से ज़्यादा उनके माता-पिता उत्तरदायी हैं जिनके पास अपने बच्चों के लिए समय ना होने के कारण उन्हें मोबाइल और इंटरनेट का झुनझुना दे दिया जाता है।

कोरोना महामारी की मार से ज्यादातर लोगों का सामाजिक दायरा बेहद छोटा होकर परिवार और अपने घर में सिमट गया है और इसके सबसे ज्यादा शिकार बच्चे हुए हैं। ऑनलाइन व्यस्तता बच्चों और युवाओं को दुनिया की वास्तविकता से भागने की सुविधा मुहैया कराती है। वे समस्याओं से लड़ने के बजाय आभासी दुनिया के तिलिस्मी संसार में अपने मानसिक खालीपन की भरपाई खोजने लगते हैं। मगर उनकी ऐसी सामान्य-सी लगने वाली गतिविधियां जब लत में तब्दील हो जाती हैं तब उन्हें संभालना मुश्किल हो जाता है। इसमें दो राय नहीं कि आधुनिक तकनीकी से लैस संसाधनों और खासतौर पर इंटरनेट ने आम लोगों की जिंदगी को आसान बनाया है। लेकिन यह व्यक्ति के विवेक पर निर्भर है कि वह इन संसाधनों का सकारात्मक इस्तेमाल करता है या नकारात्मक। इंटरनेट के संसार से जुड़े कुछ बुरे प्रभाव हैं साइबर बुलिंग या साइबर स्टॉकिंग। इंटरनेट के ज़रिए खेले जाने वाले हिंसक गेम और इस आभासी संसार में फैली झूठी खबरें व अफवाहें बच्चों को तुरंत उत्तेजित कर किसी भी बात पर त्वरित प्रतिक्रिया देने को मजबूर कर देती हैं। साइबर बुलिंग, स्टॉकिंग या हैकिंग भले ही अलग-अलग नाम हैं लेकिन इनके अर्थ लगभग एक ही हैं। सरल शब्दों में कहें तो इन शब्दों का मतलब है ऑनलाइन किसी का पीछा करना, उसे परेशान करना, उसका डाटा या जानकारियां चुराकर ब्लैकमेल करना। साइबर बुलिंग की चपेट में बच्चे काफी जल्दी आ जाते हैं। इंटरनेट के बढ़ते प्रयोग की वजह से साइबर अपराधों की संख्या भी बढ़ रही है। हमारी सरकार एवं सुरक्षा एजेंसियां इनसे निपटने में विफल साबित हो रही हैं।

– साभार: लेखक के अपने विचार हैं।

मुफ्तखोरी बंद करो मासूम जनता के हाथों में कटोरा नहीं कलम पकडाओ.. जनता को भिखारी नहीं आत्मनिर्भर बनाओ

राजनीति की एक ही नीति मुफ्त खोर बना दो न शिक्षा ना चिकित्सा ना व्यवस्था सिर्फ मुफ्त में भोजन ,आवास, निवास, आरक्षण , दे दो कुछ काम नहीं बचेगा तो जनता एक दूसरे से जाति समाज एवं वर्ग के नाम पर लड़ेगी और अपनी राजनीति और भ्रष्टाचार आसानी से चलेगी शिक्षित होंगे तो सवाल पूछेंगे देश का हर नागरिक मूल्य वृद्धि एवं टैक्स का हिसाब पूछेगा इसलिए अनेक प्रकार के टैक्स एवं मूल्यवृद्धि से अनेक पैसे कमा कर? 1 का मुफ्तखोरी का लॉलीपॉप जनता के मुंह में डाल दो ना पूछेगा ना पड़ेगा ना आगे बढ़ेगा सिर्फ और सिर्फ मुफ्त के लिए कटोरा लेकर लाइन में लगेगा ऐसी राजनीति का अंत होना चाहिए विकास के नाम पर मुफ्त देना है तो एक समान शिक्षा एक समान चिकित्सा एक समान सुरक्षा एक समान व्यवस्था एक समान अधिकार दो जिससे व्यक्ति सशक्त एवं मजबूत बने अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं अपने मान सम्मान स्वाभिमान से जीवनयापन करें मुफ्तखोरी पर निर्भर ना रहें वह स्वयं आत्मनिर्भर बने जिससे देश का विकास हो सके दुनिया में नाम हो सके मुफ्तखोरी जनता को मानसिक रूप से कमजोर एवं गुलाम बनाती है जो देश तथा हर एक समाज जाति एवं धर्म के व्यक्ति के विकास एवं उद्धार में बाधा है मुफ्तखोरी बंद हो करना है विकास तो देश में शिक्षा चिकित्सा सुरक्षा व्यवस्था सभी को एक समान अधिकार दो। **– कटु सत्य शरद प्रधान जी की कलम से**

दल-बदल विरोधी कानून की प्रासंगिकता पर उठते सवाल

अभिनव नारायण

दल बदल का इतिहास उतना ही पुराना है, जितना समय हमें अंग्रेजों से आजादी मिलकर हो चुका है। स्वतंत्रता के बाद से राजनीतिक दल बदलने की आदत शुरू हो गई थी, जो अब तक जारी है। इससे बचने के लिए कानून भी बनें लेकिन नतीजा कुछ नहीं आया।

थोड़ा पीछे चलते है। या यूं कह लीजिए कि आजादी के तुरंत बाद के दौर को टटोलने की कोशिश करते है। 1948 ईसवी की बात है। कांग्रेस समाजवादी दल ने अपने सारे विधायकों को अपने पद से इस्तीफ़ा देकर फिर से चुनावी मैदान में उतरने को कहा। इसके पीछे की मुख्य वजह सभी विधायकों द्वारा कांग्रेस पार्टी छोड़ने का फैसला था। इस फैसले को सर्वसम्मति से मानने में आचार्य नरेंद्र देव जैसे दिग्गज नेता भी शामिल थे। पूरे राजनीतिक इतिहास में यह घटना आज भी एक मिसाल के रूप में पेश किया जाता है। एक दौर वह भी था जब दल बदल विरोधी कानून के बिना ही राजनेताओं की सत्यता, संबलता और दृढ़ता उजागर होती थी। इसके बाद शायद ही ऐसा कोई उदाहरण भारतीय राजनीति के इतिहास में देखने को मिलता है।

ऐसे बनी 'आया राम और गया राम' कहावत; अब आपको 1960 से 1972 ईसवी के दौर में ले चलते है। यह दल बदल करने के लिहाज से सबसे स्वर्णिम दौर माना जाता है। ऐसा अनुमान लगाया जाता है कि साल 1967 से लेकर 1971 के बीच कुल 142 सांसदों ने दल बदल किया। इतना ही नहीं इसी दौर में कुल 1,969 विधायकों ने दल बदल कर इतिहास रच दिया। आपको जानकर ताज्जुब होगा कि इस दल बदल की वजह से कुल 32 चुनी हुई सरकारों को सत्ता से हाथ धोना पड़ा था। आपने 'आया राम और गया राम' वाली कहावत भी जरूर सुनी होगी। अक्टूबर 1967 में हरियाणा के एक विधायक गया लाल ने 15 दिनों के भीतर 3 बार पार्टी बदला। वह पलवल विधान सभा क्षेत्र से स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुन कर सदन पहुंचे थे। यह वाकया भी इतिहास के पन्नों में जुड़कर रह गया।

लालच देकर सरकार गिराई; ऐसी कई सारी कहानियां और किस्से भारतीय राजनीति के इतिहास में दर्ज है जो कहीं न कहीं भारतीय संविधान और कानून को तार तार करने के लिए काफी है। आप बात चाहें 1967 में मध्य प्रदेश में गोविंद नारायण सिंह सरकार को गिराने की करें या फिर 1980 में हरियाणा में पूरी भजनलाल कैबिनेट का कांग्रेस में शामिल होने की करें। प्रत्येक पहलुओं पर अगर ध्यान दिया जाएं तो कहीं न कहीं दल बदल का इतिहास काफी कलंकित रहा है। सबसे शर्मनाक हरकत तो तब हुई जब साल 1983 में कांग्रेस को शिकस्त का सामना करना पड़ा और एनटी रामाराव मुख्यमंत्री के रूप में चुनकर सदन पहुंचे। अगले ही साल साल 1984 में रामाराव के विदेश जाने पर कांग्रेस ने उनकी पार्टी के एक मंत्री को मुख्यमंत्री पद का ऑफर देकर तोड़ दिया और हद तो तब हो गई जब वहां के तत्कालीन राज्यपाल ने आनन फानन में मुख्यमंत्री पद की शपथ भी दिलवा दी। इससे न सिर्फ दल बदल करने वाले जनप्रतिनिधियों पर सवाल उठा बल्कि राज्यपाल जैसी मर्यादित और संवैधानिक पद की गरिमा को भी ठेस पहुंचा। हालांकि फिर कुछ दिनों के बाद रामाराव ने राष्ट्रपति के सामने सारे विधायकों की परेड करवाई और फिर से जाकर उनकी सरकार बन पाई। ऐसी कई घटनाएं इतिहास के पन्नों में दर्ज है।

दल-बदल प्रथा पर कानूनी अंकुश का प्रयत्न

साल 1985 को भी याद करना लाजमी होगा जब राजीव गांधी की सरकार ने 52वें संविधान संशोधन के माध्यम से दल बदल विरोधी कानून को पारित कर एक नया इतिहास रचा। साथ ही संविधान में 10वीं अनुसूची को भी जोड़ा गया। इस कानून के तहत देश में आग की तरह से फैल चुकी दल-बदल प्रथा को रोकना था। कुल मिलाकर कई सारे प्रावधानों को मंजूरी दी गई। एक प्रावधान ऐसा था जिसपर बहुत सवाल भी खड़े किए गए। दल-बदल विरोधी कानून

के अंतर्गत एक तिहाई सदस्य साथ में दल बदल कर सकते थे। इसके बाद भी दल बदल प्रथा पर कुछ खास अंकुश नहीं लग पाया। इस कानून में लोकसभा और विधानसभा के अध्यक्षों के अधिकारों के दायरे को भी बढ़ा दिया गया।

दल बदल विरोधी कानून के रहते वी. पी. सिंह और चंद्रशेखर की सरकारें बनती भी हैं और गिरती भी हैं। उस दौर में किस प्रकार जोड़तोड़ हुआ होगा इसपर ज्यादा लिखने की जरूरत नहीं है। फर्क इतना रह गया था कि पहले लोग अकेले भी दल बदल कर लिया करते थे लेकिन इस कानून के आ जाने के बाद थोक भाव में दल बदल प्रारंभ हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि इसे देश की सबसे ऊपरी अदालत में चुनौती दी गई। नवंबर 1991 में सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय 3-2 के अनुपात में दल विरोधी कानून के पक्ष में आया। 3 जजों ने इस कानून को सही ठहराया जबकि 2 जजों ने इसे असंवैधानिक करार दिया।

17 महीने में पांच मुख्यमंत्री

कानून बन जाने के बाद भी नागालैंड (1988), मिजोरम (1988), कर्नाटक (1989), गोवा (1990), नागालैंड (1990), मेघालय (1991), मणिपुर (1992), नागालैंड (1992) और मणिपुर (2001) में काफी जबरदस्त तरीके से दल बदल किया गया। सवाल उठना लाजमी था क्योंकि कानून के प्रावधानों को लागू करने के बजाय वहां राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया। 1998-99 में गोवा काफ़ी सुर्खियों में रहा। 17 महीने के अंदर गोवा में पांच मुख्यमंत्री ने अपनी कुर्सी छोड़ी। फिर बाद में चार महीने (फरवरी-जून 1999) राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया।

जब सीमित हुई मंत्रिमंडल की सदस्य संख्या

साल 1997 का दौर कौन भूल सकता है। जब कल्याण सिंह की सरकार से मायावती ने समर्थन वापस ले लिया। उसके बाद जो हुआ वह भारतीय राजनीति के इतिहास में अनूठा वाकया था। समर्थन के लोभ में कल्याण सिंह ने 93 सदस्यीय मंत्रिमंडल का निर्माण किया था। इतनी संख्या तो छोटे राज्यों में पूरे विधानसभा की भी नहीं होती है। अंततः साल 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने संसद में 91वां संविधान संशोधन पेश किया और उसे मंजूरी मिल गई। इस कानून के तहत न सिर्फ व्यक्तिगत दल बदल बल्कि सामूहिक दल-बदल को भी असंवैधानिक घोषित किया गया और दो तिहाई की संख्या के साथ दल बदल को सिर्फ मंजूरी दी गई। इसके साथ ही मंत्रिपरिषद की संख्या को भी सीमित किया गया।

कानून तो बना लेकिन असर कम हुआ

लेकिन इसके बाद भी जिस तरह से दल बदल होता गया वह अपने आप में कई सवाल खड़ा करता है। साल 2016 में उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश में जिस प्रकार से दल बदल हुआ और राजनीतिक अस्थिरता पैदा हुई, वह कहीं न कहीं दल बदल विरोधी कानून को भी कटघरे में खड़ा करता है। अखिलेश यादव और शिवपाल यादव के बीच हुए दरार को भी इसी कानून से समझा जा सकता है। नीतीश कुमार और शरद यादव की कटुता को भी दल बदल विरोधी कानून से उजागर किया जा सकता है। साल 2017 में मणिपुर विधान सभा का मामला हो या फिर साल 2020 में राजस्थान और मध्यप्रदेश में हुए सियासी बबंडर का हो, सभी जगह दल बदल विरोधी कानून की प्रासंगिता का सवाल खड़ा होता है। हालांकि 91वें संविधान संशोधन के बाद जरूर दल बदल में पहले से काफी कमी आई है लेकिन सामूहिक दल बदल के मामलों में जितनी कमी देखी जानी चाहिए थी उतनी नहीं हो पाई है।

निष्कर्ष

अब समय आ गया है कि फिर से दल बदल विरोधी कानून की समीक्षा की जाएं और फिर से आवश्यक संशोधन किया जाएं। दल बदल न सिर्फ संविधान और कानून को दागदार करता है अपितु यह चुनाव के समय डाले गए एक एक वोट को भी कलंकित करता है। जनता के द्वारा डाला गया एक एक वोट लोकतंत्र के लिए उतना ही अधिक महत्वपूर्ण है जितना कि 1 वोट से किसी सरकार का सत्ता से बाहर जाना।

(साभार: लेखक कानून के जानकार हैं। यहां व्यक्त विचार उनके अपने हैं।

डीआर पंकज कोरी संभाले हैं तीन जिलों का प्रभार

छतरपुर। छतरपुर जिले में डीआर पंकज प्रभारी 28 फरवरी के बाद से लगातार अतिरिक्त प्रभार लिए हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार पंकज कोरी टीकमगढ़ जिले एवं निवाड़ी जिले के साथ छतरपुर जिले का अतिरिक्त प्रभार लिए हुए हैं। तीन तीन जिलों में काम करने वाले पंकज कोरी आखिरकार कैसे कार्य कर रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पंकज कोरी छतरपुर जिले में केवल बुधवार को आते हैं और बाकी दिन अन्य जिलों में काम करते हैं जिससे पंजीयन विभाग का कार्य काफी प्रभावित हो रहा है। 28 फरवरी को पूर्व उपपंजीयक रावत के रिटायर होने के बाद से ही पंकज कोरी छतरपुर जिले का प्रभार लिए हुए हैं। पंजीयक कार्यालय में लोगों को डीआर न होने से काफी परेशानी हो रही है।

बीएलसी की किश्तों की मांग को लेकर कांग्रेस ने नगर निगम का किया घेराव

अतुल्य भास्कर, सागर

सागर नगर पालिक निगम के बी.एल.सी हितग्राहीयों ने आज प्राईवेट बस स्टेंड पर एकत्र होकर जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अतुल नेमा, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष फिरदोष कुरैषी के नेतृत्व में पैदल मार्च करते हुये नगर पालिका निगम घेराव करने पहुॅचे। जहॉ नारे वाजी करते हुये पुलिस से झुमा छटकी करते हुये निगम प्रषासन के अधिकारियों के उपर चूड़ी फैक कर एवं चक्का जाम कर अपना विरोध दर्ज किया। विरोध दर्ज कराते हुये नगर दण्डाधिकारी सी.एल वर्मा एवं उपायुक्त खरे को ज्ञापन सौंपा एवं मांग करते हुये कहा की अगर 15 दिवस के अंदर नगर पालिका निगम द्वारा बी.एल.सी की दूसरी किस्ते जारी नहीं की जाती है तो कांग्रेस द्वारा दिल्ली के किसान आंदोलन की तर्ज पर सागर नगर निगम में भी हितग्राही अपना डेरा जमा लेगे एवं वही पर खाना पीना बनाकर जब तक किस्त नहीं आयेगी तब तक नगर निगम को ही अपना नया आवास समझकर रहेगे। इस अवसर पर हितग्राहीयों को संबोधित करते हुये अतुल नेमा ने कहा कि हमने 15 दिन का निगम को अल्टीमेटम दिया है अगर 15 दिनो में किस्त जारी नहीं होती तो इसके लिये नगर निगम प्रषासन जिम्मेदार होगा। अगला आंदोलन उग्र होगा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष फिरदोष कुरैषी ने आंदोलन को संबोधित करते हुये कहा कि आज का आंदोलन जनता की मांग पर था और अगर जनता की मांग पूर्ण नहीं होती है तो कांग्रेस किसी भी हद् तक जा कर बी.एल.सी हितग्राहीयों को उनका हक दिलावेगी।

इस अवसर पर पार्षदगण भैयन पटेल, तोता यादव, महेष जाटव, श्रीमति आराधना अतुल नेमा, किरण मिश्रा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुन्ना चैबे, जितेन्द्र रोहण, वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल कोठारी, ब्लॉक अध्यक्ष षरद पुरोहित, ओमकार साहू, रहीष भाई, अमित यादव, मनोज पवार, लक्ष्मीनाराण सोनकिया, गोर्वधन रैकवार, दीनदयाल तिवारी, राजाराम सरवैया, सुलतान कुरैषी, राकेष सरवैया, प्रदीप जैन, सुधीर जैन, नरेन्द्र मिश्रा, निषांत नामदेव, प्रदीप पटेल, रतन अहिरवार,उमा अहिरवार, रामकली अहिरवार, रमाकांती वाल्मिकी, रमा विष्वकर्मा, सरोज वाल्मिकी, अनिता अहिरवार, आराधना विष्वकर्मा, खुषवु ठाकुर, बलराम अहिरवार, सहित अनेक बी.एल.सी हितग्राहीगण उपस्थित रहें। कार्यक्रम का आभार अभिषेक पाठक ने माना।

अवैध रेत पर खनिज, पुलिस राजस्व की संयुक्त कार्यवाही 14 ट्रेक्टर जब्त, टीम को देखकर भागे वाहन चालक

अतुल्य भास्कर, छतरपुर। जिले में अवैध रेत का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा था। जिसकी खबरें लगातार समाचार पत्रों में प्रकाशित हो रही थीं उसके बाद भी रेत माफियों के हौसले बुलंद थे और छतरपुर में गायत्री मंदिर के पास प्रतिदिन सैकड़ों ट्रेक्टर रेत से भरे आते थे और जिलाप्रशासन को खुलेआम चुनौती देते थे। गौरतलब हो कि जिले में रेत के ठेकेदार का ठेका निरस्त होने के बाद से पूरे जिले में रेत माफिया सक्रिय हो गए थे। सरकार को करोड़ों रुपए की राजस्व की हानि हो रही थी। उसके बावजूद भी खनिज विभाग व पुलिस विभाग इन रेत माफियों के खिलाफ कार्यवाही करने से कतराते थे। आखिरकार किसका दबाव था कि प्रशासन रेत माफियों पर कार्यवाही नहीं कर पा रहा था।

आज अचानक जिला प्रशासन का जमीर जागा और पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन के साथ खनिज विभाग के खनिज अधिकारी और इंस्पेक्टर ने संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए गायत्री मंदिर के पास से लगभग 14 ट्रेक्टरों को जब्त किया मौके पर ट्रेक्टर ड्रायवर भागते नजर आए। पुलिस प्रशासन के द्वारा इन ट्रेक्टरों को ट्राफिक थाने में रखवाया गया है। इस अवसर पर डीएसपी शशांक जैन, खनिज अधिकारी अमित मिश्रा, खनिज इंस्पेक्टर अजय मिश्रा, तहसीलदार अभिनय शर्मा के अलावा राजस्व एवं खनिज विभाग की पूरी टीम मौजूद थी। जो रेत माफिया पुलिस को महीना देते थे उनके अरमानों पर पानी फिर गया है। हालांकि इस संबंध में खनिज विभाग और पुलिस विभाग अपनी कार्यवाही किए जाने की वाहवाही लूट रहा है। जबकि यह अवैध व्यापार काफी समय से जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की नाक के नीचे चल रहा था।

धारा 144 में नए आदेश जारी, 20 अगस्त तक प्रभावशील रहेगा

छतरपुर। कलेक्टर एवं दण्डाधिकारी छतरपुर शीलेन्द्र सिंह ने राज्य शासन द्वारा जारी नवीन दिशा-निर्देश के पालन में कोरोना संक्रमण से हेतु आमजन की जीविकोपार्जन तथा दैनिक गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत 31 जुलाई को जारी किए गए आदेश को अधिक्रमित करते हुए आगामी 20 अगस्त तक के लिए नए आदेश जारी किए है। यह गतिविधि प्रतिबंधित रहेगीइस आदेश के तहत सभी प्रकार की सामाजिक, राजनैतिक, खेल, मनोंरजन, सांस्कृतिक, धार्मिक आयोजन तथा मेले आदि जिसमें जन समुदाय एकत्रित होते है की गतिविधि प्रबंधित रहेगी। जिले के सभी नगरीय क्षेत्रों में रात्रि 11 बजे से प्रातः 6 बजे से नाईट कर्फ्यू रहेगा। धार्मिक पूजा स्थल ईदगाह को छोड़कर एक समय में अधिकतम 50 व्यक्ति मौजूद रहेंगे। रूल ऑफ 6 के तहत किसी भी स्थान पर 6 से अधिक व्यक्ति मौजूद नहीं रहेंगे। मास्क लगाना एवं कोविड गाइडलाइन का पालन करना अनिवार्य होगा। प्रतिबंध से मुक्त गतिविधियां (कंटेनमेंट एरिया को छोड़कर) सभी दुकाने निजी कार्यालय शापिंग माल, व्यवसायिक प्रतिष्ठान, जिम, सिनेमाघर एवं फिटनेस सेंटर, 50 प्रतिशत क्षमता से खुलेंगे। लघु, मध्यम तथा सूक्ष्म उद्योग और निर्माण गतिविधि पूर्ण क्षमता से कोविड गाइडलाइन की पालन से चलेगी।

कोविड की तीसरी लहर से बचाव के लिए, छतरपुर कटिबद्ध, सभी तैयारियां जारी

ऑक्सीजन उपलब्ध कराने के संकल्प को पूरा किया, मरीजों को ऑक्सीजन की किल्लत नहीं होगी

अतुल्य भास्कर, छतरपुर

छतरपुर जिले में कोविड की तीसरी लहर की आशंका के चलते सामाजिक लोगों के जीवन से जुड़ी सुरक्षा एवं स्वास्थ्य की तैयारी जारी है। प्रशासन इसके लिए कटिबद्ध और तैयार है। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने बताया कि छतरपुर जिले ने कोविड संक्रमित मरीजों को जरूरत के अनुसार ऑक्सीजन उपलब्ध कराने के प्रदेश सरकार के संकल्प को पूरा किया है। जिले में कोविड की तीसरी लहर आशंका से निपटने की सभी तैयारियां जारी है। जिला चिकित्सालय में 850 एलपीएम यूनिट का ऑक्सीजन प्लांट बनकर तैयार हो चुका है। वार्डों में ऑक्सीजन की पूर्ति बनाए रखने की टेस्टिंग प्रक्रिया जारी है जो एक-दो दिवस में पूरी होगी। इस सुविधा के उपलब्ध होने से मरीजों को अब ऑक्सीजन की किल्लत नहीं होगी।अंतिम टेस्टिंग पूरे होते ही वार्डों में ही ऑक्सीजन की सुविधा मुहैया होगी। इस सुविधा के मिलने से जिला अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले रोगियों को ऑक्सीजन मिलने में दिक्कत नहीं होगी। इस सुविधा के बहाल होने के अलावा 1 हजार एलपीएम यूनिट का दूसरा ऑक्सीजन प्लांट मध्यप्रदेश सरकार द्वारा निकट दिनों में दिए जाने की संभावना है। इस प्लांट के लिए जिला चिकित्सालय में फाउंडेशन बनकर तैयार हो चुका है, जिसकी जानकारी सरकार को भेजी जा चुकी है।

कोविड गाइडलाइन का पालन करते हुए सद्भाव और भाईचारे के साथ मनाये मोहर्रम, रक्षाबंधन

नगर निगम कराएगा वाहन उपलब्ध, शांति समिति की बैठक

अतुल्य भास्कर, सागर

कोविड गाइडलाइन का पालन करते हुए सद्भाव और भाईचारे के साथ मोहर्रम और रक्षाबंधन के त्योहार मनाया जाएगा। नगर निगम द्वारा ताजिये विसर्जन हेतु वाहन उपलब्ध कराएगा। इस संबंध में अपर कलेक्टर अखिलेश जैन की अध्यक्षता में रक्षाबंधन एवं मोहर्रम पर्व के मददेनजर शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर विभिन्न धर्मों के गणमान्य नागरिक, नगर निगम आयुक्त आरपी अहिरवार, सिटी मजिस्ट्रेट सीएल वर्मा ,एडिशनल एसपी विक्रम सिंह, अनुविभागीय अधिकारी पवन बारिया सहित विभिन्न थानों के थाना प्रभारी मौजूद थे।

शांति समिति की बैठक में समस्त धर्म अनुयायियों के विचारों के उपरांत निर्णय लिया गया कि आने वाले मोहर्रम एवं रक्षाबंधन के त्यौहार पूरे आपसी भाईचारे एवं सद्भाव के साथ मनाया जाएगा। साथ में कोविड गाइडलाइन का अक्षरशः पालन किया जाए।

अपर कलेक्टर अखिलेश जैन ने समस्त धर्म अनुयायियों से अपील की कि समस्त समाज प्रमुख इस बात का पूरा ध्यान रखें कि कोविड गाइडलाइन का उल्लंघन ना हो और 50 से अधिक व्यक्ति किसी भी कार्यक्रम में शामिल न हो । उन्होंने कहा कि मोहर्रम के कार्यक्रम में ताजिये विसर्जन हेतु नगर निगम द्वारा वाहन उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि समस्त लोग घर पर ही अपने धार्मिक अनुष्ठान कर धार्मिक त्योहार मनाए और कोविड गाइडलाइन का पालन करें। अपर कलेक्टर जैन ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समस्त धार्मिक स्थलों पर साफ सफाई एवं प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित की जावे।

दो साल से सरकारी गोदाम में खा रही जंग मोटराइज्ड, दर-दर भटक रहे प्रतीक्षारत दिव्यांग

अतुल्य भास्कर, हटा

जहां एक तरफ प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों को निःशुल्क बांटे जाने वाली बैटरी चलित (मोटराइज्ड) ट्राइ साइकिल सरकारी गोदाम में जंग खा कर खराब होने की कगार पर है। वहीं दूसरी तरफ 100, 90, 80 प्रतिशत दिव्यांगता का प्रमाण पत्र हाथों में लिए विकलांग मदद के लिए जनप्रतिनिधियों के कार्यालयों और सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं लेकिन इनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है।

बता दे कि भारत सरकार की एपिड योजना के तहत दिव्यांगों को मिलने वाली मोटराइज्ड ट्राई जो सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के द्वारा पात्र दिव्यांग को बैटरी चलित ट्राई साइकिल दी जानी थी। इस क्रम में विगत दो बर्ष पूर्व दमोह भाजपा सांसद के द्वारा हटा आगमन पर कुछ जरूरतमंद ट्राई साइकिल दी गई थी। किन्तु प्रतीक्षारत लाभार्थी ट्राई साइकिल के लिए दो बर्षो से दर-दर भटक रहे है। इनका कहाँ है हमारे द्वारा अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों तक गुहार लगाई जा चुकी है उनके नाम लिखी हुई बैटरी से चलित ट्राइसकिल जो उत्कृष्ट स्कूल के गोदाम रखी रखी जंग खा रहे है।

यहां तक कि वितरण से पहले ही इनकी बैटरी व अन्य मरम्मत कार्य मांग चुके है। इस मामले में विपक्षी नेताओं ने तंज करते हुए भाजपा सरकार पर दिव्यांगों की समस्या पर आड़े हाथ लेते हुए कहा कि सरकार की नजर में दिव्यांगों तखलीफ कोई मायने नही रखती है, दिव्यांगों मिलनी वाली ट्राइ साइकिल राजनीतिक मंच से मिलेगी। और ये मंच कब कहा लेगा और योजना को कैसे भुना जायेगा, ये सत्ता धारी ही बता सकते है।

इनका कहना है

स्कूल में दो बर्षो से लगभग 10 बैटरी वाले ट्राइसाईकिल रखी हुई है। पूर्व में वितरण सांसद जी द्वारा किया था। बाकी वितरण की कोई जानकारी नही है।

- बी.एल. बिदौलिया, शिक्षक उत्कृष्ट विद्यालय, हटा

नवोदय विद्यालय में प्रवेश हेतु आयोजित परीक्षा का किया निरीक्षण

अतुल्य भास्कर, सागर

परीक्षा केन्द्र संभागीय ज्ञानोदय उ.मा.वि.तिली में नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा का लोक शिक्षण उपसंचालक प्राचीश जैन, सहायक संचालक जे.पी.सिन्हा एवं समन्वयक शिवेन्द्र बंसल द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केन्द्र पर कुल 299 छात्रों की प्रवेश परीक्षा ली जानी थी जिसमें से 230 छात्रों ने उपस्थित होकर नवोदय विद्यालय में प्रवेश लेने हेतु परीक्षा देने हेतु उपस्थित हुए, 69 छात्र अनुपस्थित रहे। विद्यालय में 25 कक्षों में परीक्षा का आयोजित की गई। जिसमें कुल 28 पर्यवेक्षक ड्यूटी पर उपस्थित थे। परीक्षा सुचारू रूप से संचालित पायी गयी। साथ ही शासकीय उ.मा.वि.तिली का बुधवार को औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें कक्षा 10 वीं की कक्षा कोविड नियमों का पालन करते हुये संचालित पायी गयी । निरीक्षण के दौरान 21 छात्र उपस्थित पाये गये एवं विद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित थे।

वन समिति शासकीय उचित मूल्य की दुकान परसनिया में अध्यक्ष और सैल्समैन ने नहीं दिया गरीबों का 6 माह का राशन

- **समिति अध्यक्ष और सेल्समैन के खिलाफ हितग्राही हुए लामबंद, खाद्य अधिकारी ने राशन दुकान को किया सील्ड**

अतुल्य भास्कर, लवकुशनगर

वन समिति राजा पुरवा की शासकीय उचित मूल्य की दुकान परसनिया में अध्यक्ष और सैल्समैन द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना एवं राज्य शासन द्वारा गरीबों को हर माह दिये जाने वाले राशन को हितग्राहियो को ना देकर शासन की दोनों महत्वपूर्ण योजनाओ को बदनाम कर गरीबों के राशन को खुर्दबुर्द कर लाखों रुपये का घोटाला कर डाला। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा हर माह गरीब हितग्राहियो को राशन वितरण कर गरीबो तक घर घर राशन पहुचाने का कार्य कर रही है लेकिन ग्राम पंचायत परसनिया में खुली वन समिति की शासकीय उचित मूल्य की दुकान में हितग्राहियो को 6-6 माह से राशन नहीं दिया गया।

राशन ना मिलने से हितग्राही हुए लामबंद हितग्राहियों ने अध्यक्ष और सैल्समैन के खिलाफ कई बार राशन देने की शिकायतें अधिकारियों से की। गरीब हितग्राहियो की आवाज को प्रधानता देते हुए कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी लवकुशनगर सचिन श्रीवास्तव ने बुधवार को राशन दुकान पर जाकर सील्ड की कार्यवाही करते हुए मामले की जांच प्रारम्भ की जांच उपरांत वन समिति राजा पुरवा के विक्रेता ने जुलाई और अगस्त के अनाज ही बेंच लिया है वन समिति राजा पुरवा का यह पहला मामला नही है इसके पहले भी इसी दुकान के विक्रेता ने गरीबो का अनाज बेचा था कार्यवाही के दौरान भाजपा मंडल उपाध्यक्ष अम्बरीष चतुवेर्दी ने बताया की समिति अध्यक्ष रामस्वरूप पटेल अपनी मनमानी से समिति चला रहे है गांव वालों का अनाज खा रहे है कार्यवाही करते समय वन समिति राजा पुरवा विक्रेता प्रेम चन्द्र कुशवाहा मौके पर मौजूद उस ने बताया की यह मैंने नही किया पूर्व विक्रेता ने किया है समिति अध्यक्ष ने मुझे कहा था की तुम्हे खर्चा पानी देते रहेंगे तुझे विक्रेता बनाये देते है जिनके कहने से मैं काम करने लगा अध्यक्ष ने तीन महीने में एक रुपये नही दिये है।

इस संबंध में सचिन श्रीवास्तव, खाद्य अधिकारी, कनिष्ठ आपूर्ति विभाग लवकुशनगर का कहना है कि समिति द्वारा पहले भी गवन किया जा चुका है जिसमे समिति अध्यक्ष को पूर्व विक्रेता के खिलाफ एफ आई आर कराने लिए कहा गया था लेकिन आजतक थाने की पावती नही दी और ये नया मामला है ग्रमीणों ने धांधली की शिकायत थी जिसपर दुकान शील्ड कर मामले की जांच प्रारम्भ कर दी है

जिले की सुख समृद्धि के लिए कलेक्टर ने की भगवान जगदीश स्वामी मंदिर में पूजा अर्चना

सागर। जिले की सुख समृद्धि एवं जिले को कोरोना संक्रमण से मुक्ति के लिए गढ़ाकोटा स्थित प्राचीन भगवान जगदीश स्वामी मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की। इस अवसर पर अभिषेक भार्गव, मंदिर व्यवस्थापक मनोज तिवारी एसडीएम जितेंद्र पटेल, हरिशंकर जयसवाल ,तहसीलदार कुलदीप पाराशर, नगर पालिका अधिकारी जे एन तिवारी ,श्री साहित्य मिश्रा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे । कलेक्टर दीपक सिंह ने गढ़ाकोटा प्रवास के दौरान गढ़ाकोटा में स्थित लगभग 200 वर्ष से अधिक प्राचीन भगवान जगदीश स्वामी मंदिर पटेरिया जी मैं पूजा अर्चना की एवं प्रार्थना की कि जिले को हमेशा के लिए कोरोना मुक्त हो । उन्होंने भगवान जगदीश स्वामी मंदिर के महंत हरिदास जी से भी मुलाकात की महंत हरिदास जी के अनुसार राधा स्वामी मंदिर लगभग 200 वर्ष से अधिक प्राचीन है और यह अत्यधिक प्राचीन होने के कारण जीवन शिविर की स्थिति में है इस मंदिर का जीर्णोद्धार के साथ सुंदरीकरण किया जाना आवश्यक है।

जटाशंकर धाम के स्वीकृत रोपवे का कार्य शुरू कराने सीएम से मिले विधायक राजेश शुक्ला

अतुल्य भास्कर, बिजावर। बिजावर विधानसभा के लोकप्रिय विधायक राजेश शुक्ला बबलू अपनी विधानसभा क्षेत्र के विकास में कोसर नहीं छोडना चाहते और इसके लिए वे लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसके साथ ही वे लोगों की समस्याओं को सुनने के लिए स्वयं उनके बीच पहुंचकर निपटारा कराने की कार्यप्रणाली को अपनाते हैं। अपनी विधानसभा क्षेत्र के विकास संबंधी चर्चा करने उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की है और उम्मीद है कि उनके द्वारा मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किए गए तमाम प्रस्तावों को शीघ्र स्वीकृति भी मिल सकती है। विधायक राजेश शुक्ला बबलू ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर बुंदेलखंड का केदारनाथ कहे जाने वाले जटाशंकर धाम में स्वीकृत रोपवे का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराने के विषय पर चर्चा करते हुए कार्ययोजना सीएम को बताई। विधायक ने सीएम को बताया कि क्षेत्र के लोगों की जटाशंकर धाम में अखंड आस्था है और वे हर हाल में यहां विराजमान भगवान शिव के दर्शन करना चाहते हैं लेकिन कई वृद्ध, दिव्यांग और बच्चे यहां स्थित सीढ़ियों की चढ़ाई करने में असमर्थ होते हैं जिस कारण उन्हें दर्शन नहीं मिल पाते और वे मायूस हो जाते हैं, ऐसे लोगों की सुविधा के लिए जटाशंकर धाम में स्वीकृत रोपवे का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होना अत्यंत आवश्यक है। इस पर सीएम ने सकारात्मक आश्वासन दिया है। इसके अलावा उन्होंने अपने क्षेत्र के विभिन्न स्थानों की खराब सड़कों को दुरुस्त कराने, आदिवासी बाहुल्य किशनगढ़ क्षेत्र में बिजली और नेटवर्क कनेक्टिविटी बढ़ाने, क्षेत्र में बिखरी पड़ी प्राकृतिक संपदा को सहेजने सहित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा कर प्रस्ताव सीएम को दिखाए हैं। सीएम श्री चौहान ने विधायक बबलू शुक्ला के अपने क्षेत्र के विकास के प्रति रुझान की सराहना की और भरोसा दिलाया कि बिजावर क्षेत्र के विकास के लिए जो भी सहायता उन्हें शासन से चाहिए वह दिलाई जाएगी। विधायक श्री शुक्ला ने बीते दिनों एक सड़क हादसे में दिवंगत लोगों के परिजनों को शासकीय सहायता दिलाने का अनुरोध भी किया जिसके लिए सीएम ने कहा है कि शीघ्र ही परिवारों को सहायता मिलेगी।

निया शर्मा

ने बैकलेस टॉप में शेयर किया बोल्ड वीडियो

निया शर्मा जो दिल में आता है वही करती हैं फिर दुनिया कुछ भी कहे। वह अपनी बोल्ड इमेज के लिए जानी जाती हैं। निया को लोग उनके आउटफिट्स के लिए अक्सर ट्रोल करते हैं। इस बार उन्होंने बैकलेस टॉप में एक हॉट वीडियो पोस्ट किया है। निया ने इस वीडियो के साथ कैप्शन लिखा है जो ट्रोल करने वालों के लिए मुंहतोड़ जवाब है। निया शर्मा ने लिखा है, ये भी उतार दे, कपड़े नहीं है क्या, शेमलेस... आप सभी को... वेरी मच। निया शर्मा अक्सर अपने बोल्ड फोटोशूट्स और वीडियोज के लिए चर्चा में रहती हैं। सोशल मीडिया यूजर्स उन्हें ट्रोल भी करते हैं लेकिन वह ट्रोल्स को जरा भी भाव नहीं देतीं। निया शर्मा इस टॉप में पहले भी तस्वीरें शेयर कर चुकी हैं। अब उन्होंने वीडियो शेयर किया है। निया शर्मा अपने बेबाक बयानों के लिए भी जानी जाती हैं। वह रवि दुबे को बेस्ट किसर बताकर भी सुर्खियों में आ चुकी हैं। इस पर रवि की पत्नी शरगुन ने जवाब दिया था, पहले हम दोनों भी चौंक गए थे लेकिन हम जानते हैं कि निया ऐसी ही है। उसके जो दिल में होता है बोल देती है। बीते दिनों निया शर्मा देवोलीना भट्टाचार्जी से ट्वीट वॉर के लिए भी चर्चा में आई थीं। दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ ट्विटर पर भड़ास निकाली थी। हालांकि बाद में दोनों का पैचअप भी हो गया और एक-दूसरे से माफी मांग ली थी। दोनों के बीच पर्ल वी पुरी रेप केस को लेकर कहा-सुनी हुई थी।

राज कुंद्रा की कंट्रोवर्सी के बीच शिल्पा शेट्टी की बहन शमिता बिग बॉस में आएंगी नजर

रियलिटी शो बिग बॉस के निर्माताओं ने पुष्टि की है कि शिल्पा शेट्टी की बहन शमिता शेट्टी बिग बी के घर में प्रवेश कर चुकी हैं। वूट पर नवीनतम बिग बॉस ओटीटी कर्टन रेजर क्लिप ने दर्शकों को घर में बंद होने वाले प्रतियोगियों से परिचित कराया। इसमें शमिता शेट्टी की सिजलिंग एंट्री होती है, जिसका मतलब है कि वह निश्चित रूप से शो में भाग ले रही हैं। वूट क्लिप में शमिता को प्रसिद्ध गीत शरारा शरारा पर थिरकते हुए बिग बॉस ओटीटी मंच में प्रवेश करते देखा जा सकता है। क्लिप में शमिता मंच पर कदम रखते हुए लाल रंग की पोशाक पहने हुए दिखाई दे रही है। वह स्टनिंग लग रही हैं। उनके साथ बिग बॉस में प्रवेश करेंगे, प्रतीक सहजपाल, दिव्या अग्रवाल, नेहा भसीन, जीशान खान, राकेश बापट, रिद्धिमा पंडित, मिलिंद गाबा, उर्फी जावेद, जीशान खान, करण नाथ, निशांत भट, और अक्षरा सिंह। शमिता शेट्टी की शो में एंट्री उनकी बहन शिल्पा शेट्टी और बहनोई राज कुंद्रा के जीवन में आई परेशानियों के बीच हुई है। कुंद्रा को एडल्ट कंटेंट मामले में गिरफ्तार किया गया है। एडल्ट कंटेंट बनाने और ऐप्स के जरिए इसे पब्लिश करने के लिए उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है। इस मामले ने काफी विवादों को जन्म दिया है, जिसके बाद शिल्पा पर भी कई आरोप लगे हैं।

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी' की रिलीज की घोषणा

फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली अपनी भव्य फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। हम दिल दे चुके सनम, देवदास, गुजारिश, रामलीला, बाजीराव मस्तानी और पद्मावत जैसी सुपरहिट फिल्मों का निर्देशन संजय लीला भंसाली ने किया है। फिल्म निर्माता-निर्देशक भंसाली ने हाल ही में भारतीय सिनेमा में 25 साल पूरे किए हैं। 25 साल पूरे होने पर उन्होंने एक बड़ा ऐलान भी किया है। भंसाली अपनी आगामी वेब सीरीज हीरामंडी के लिए नेटफ्लिक्स के साथ साझेदारी करेंगे। यह सीरीज स्वतंत्रता-पूर्व भारत में लाहौर के एक जिले हीरामंडी की छिपी सांस्कृतिक वास्तविकता, दरबारियों की कहानियों को पर्दे पर दिखाएगी।

इस शो में भंसाली की फिल्म के सभी ट्रेडमार्क, भव्य सेट, विस्तृत रचनाएं और पात्रों की अधिकता होगी। हीरामंडी में प्रेम, विश्वासघात, राजनीति और उत्तराधिकार की कहानियों को दिखाया जाएगा। एक बयान में, भंसाली ने कहा, एक फिल्म निर्माता के रूप में मेरी यात्रा में हीरामंडी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह एक महाकाव्य है, जो लाहौर के दरबारियों पर आधारित अपनी तरह की पहली श्रृंखला है। यह एक महत्वाकांक्षी, भव्य और सर्वव्यापी सीरीज होगा। इसलिए मैं इसे बनाने के लिए नर्वस हूं और उत्साहित भी हूं। मैं नेटफ्लिक्स के साथ अपनी साझेदारी और हीरामंडी को दुनिया भर के दर्शकों के सामने लाने के लिए उत्सुक हूं। वैराइटी से बात करते हुए, फिल्म निर्माता ने कहा, यह लाहौर के दरबारियों के बारे में एक बहुत बड़ी गाथा है, यह कुछ ऐसा है जिसके पर मैं 14 साल से काम कर रहा था। यह बहुत विशाल और महत्वाकांक्षी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हीरामंडी तीन पीढ़ियों के दरबारियों के माध्यम से हीरामंडी के कोठों में प्रेम, विश्वासघात, उत्तराधिकार और राजनीति के विषयों को बारीकी से दिखाएगी। नेटफ्लिक्स इंडिया ने हीरामंठी की झलक इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए साझा किया, हम यह घोषणा करते हुए उत्साहित हैं कि संजय लीला भंसाली की हीरामंडी नेटफ्लिक्स पर आ रही है। यह बताने के लिए शब्द पर्याप्त नहीं हैं कि हम कितने उत्साहित हैं कि संजय लीला भंसाली इस महाकाव्य नेटफ्लिक्स ओरिजिनल सीरीज़ के लिए हमारे साथ साझेदारी कर रहे हैं। फिल्म खामोशी के साथ अपने करियर की शुरुआत करने वाले भंसाली ने हम दिल दे चुके सनम, देवदास, गुजारिश, गोलियों की रासलीला-राम लीला, बाजीराव मस्तानी और पद्मावत जैसी फिल्मों के साथ खुद के लिए एक स्थिति मजबूत की है। दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह और शाहिद कपूर अभिनीत उनकी आखिरी फिल्म पद्मावत ने बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की।

नई शुरुआत

निर्माता बनीं करीना कपूर खान

हंसल मेहता और एकता कपूर के साथ करेंगी काम

करीना कपूर खान अक्सर अपने फैंस को कुछ नया करके हैरान कर देती हैं। अच्छी अभिनेत्री होने के साथ-साथ करीना कपूर खान एक अच्छी मां भी हैं ये तो हम सब जानते हैं, लेकिन अब करीना अपनी जिंदगी में एक और नई शुरुआत करने का रही हैं। दरअसल करीना कपूर खान ने सोशल मीडिया पर अपनी नई फिल्म का ऐलान किया है। इस फिल्म के साथ ही करीना कपूर फिल्म जगत में बतौर निर्माता अपना एक नया सफर शुरू करने जा रही हैं। करीना ने अपने इस नए सफर का ऐलान अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट के जरिए किया। इस तस्वीर में उनके साथ एकता कपूर और निर्देशक हंसल मेहता नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर को साझा करते हुए करीना ने अपने इस नए प्रोजेक्ट के बारे में बताया। करीना के इस प्रोजेक्ट को हंसल मेहता डाइरेक्ट करेंगे। यह फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है। जिसकी कहानी यूके में स्थापित है।

एकता कपूर के साथ मिलकर करेंगी प्रोड्यूस

करीना कपूर खान अपनी इस फिल्म का निर्माण एकता कपूर के बैनर बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ मिलकर करेंगी। इससे पहले करीना कपूर खान एकता कपूर की फिल्म वीरे दी वेडिंग में नजर आ चुकी हैं। तबसे ही इन दोनों के बीच एक स्ट्रॉंग बॉन्ड देखने को मिलता है। ऐसे में बतौर निर्माता दो मजबूत महिलाओं के साथ आने से दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं। इस फिल्म की शूटिंग जल्द ही यूके में शुरू होगी। सबसे खास बात ये है ब्लॉकबस्टर मूवी वीरे दी वेडिंग करीना कपूर खान की उनके बेटे तैमूर के जन्म के बाद पहली फिल्म थी और यह उनके दूसरे बच्चे जेह के जन्म के बाद दूसरी फिल्म है। उनकी ये दोनों ही फिल्में एकता कपूर के साथ हैं। करीना कपूर खान के अपनी नई फिल्म के ऐलान के बाद उन्हें सोशल मीडिया पर खूब बधाइयां मिल रही हैं। उनकी सबसे अच्छी दोस्त अमृता अरोड़ा ने कमेन्ट करते हुए हैंड्स डाउन का इमोजी भेजा तो वही करिश्मा कपूर ने लिखा, 'मैं इसका इंतजार नहीं कर पा रही हूं। करीना के फैंस भी उन्हें निर्माता बनने पर ढेरों बधाइयां दे रहे हैं। निर्माता के तौर पर अपना एक नया सफर शुरू करने जा रही करीना कपूर खान ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, 'एकता कपूर के साथ निर्माता के रूप में इस फिल्म में काम करने के लिए खुद को सम्मानित महसूस कर रही हूं और बहुत अधिक उत्साहित हूं। उन्हें मेरा परिवार बरसो से जानता है।

200 गाने और 40 एक्ट्स के साथ होगा इंडियन आइडल का समापन

इंडियन आइडल 12 का ग्रैंड फिनाले बिलकुल अलग तरह से होने वाला है। स्वतंत्रा दिवस के खास मौके इस सीजन का सबसे बड़ा ग्रैंड फिनाले होने वाला है। कई कारणों की वजह से इस बार का फिनाले खास होगा। 12 घंटे लगातार चलने वाले ग्रैंड फिनाले में 40 परफॉर्मेंस होंगी। इस शाम को शानदार बनाने और फाइनलिस्ट का उत्साह बढ़ाने के लिए फिल्म जगत के कई शानदार सिंगर इस महोत्सव में नजर आएंगे और साथ ही दर्शक सिंगर्स की परफॉर्मेंस के साक्षी बनेंगे। कई हफ्तों के ऑडिशन के बाद और हर हफ्ते अपने दर्शकों का मनोरंजन करने वाले प्रतियोगी इस तनावपूर्ण समय में भी दर्शकों का उत्साह बनाकर रखेंगे। इंडियन आइडल 12 को अपने टॉप 6 फाइनलिस्ट मिल चुके हैं जिसमें पवनदीप राजन, अरुणिता कांजीलाल, सायली कांबले, निहाल टौरो और मोहम्मद दानिश शामिल हैं। जैसे ही फिनाले आएगा इन्हीं में से कोई एक प्रतियोगी इस साल इंडियन आइडल 12 के विजेता की ट्रॉफी अपने नाम करेगा। इंडियन आइडल के जज हिमेश रेशमिया ने ग्रैंड फिनाले के लिए अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा, '12 घंटे का इंडियन आइडल 12 का ग्रैंड फिनाले म्यूजिक का जश्न मनाते हुए और साथ ही लोगों का मनोरंजन करते हुए शानदार तरह से किया जाएगा। इस शो में एक जज के रूप में मेरा शानदार कार्यकाल रहा है और इस तरह की प्रतिभाओं को और तैयारियों को देखकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। इन छह प्रतियोगियों में से किसी को चुनना कठिन निर्णय है और मैं ये देखने के लिए खुद को रोक नहीं पा रहा

की इस सीजन की ट्रॉफी कौन जीतता है। मुझे यकीन है कि इन सभी को इंडस्ट्री में बहुत सारा काम मिलेगा और वो इंडिपेंडेंट रूप से अपनी एक अलग जगह बनाएंगे। अनु मलिक ने कहा, इतने सालों में मैंने सिर्फ इंडियन आइडल के स्तर को बढ़ते हुए ही नहीं देखा, लेकिन प्रतियोगियों के गाने को प्रस्तुत करने और तरीके में भी काफी सुधार देखा। कंटेस्टेंट में हर बढ़ते सीजन के साथ एक नया आत्मविश्वास देखा। हर साल सोनी एंटर्टेमेंट टेलिविजन हमें इंडियन म्यूजिक के बेहतरीन भविष्य कि एक उम्मीद देता है और मैं इन खूबसूरत सिंगर्स को फिल्म जगत में खिलते हुए देखने का इंतजार कर रहा हूं। मुझे लगता है 12 घंटे का ये फिनाले सीजन के लिए एक उपयुक्त परिणति है और मैं इसका हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं। ग्रैंड फिनाले की ये खास शाम म्यूजिक से भरी रहेगी। दुनिया भर के दर्शक अपने पसंदीदा सिंगर को सुनेंगे। पूरी दुनियाभर से दर्शकों ने कंटेस्टेंट्स को खूब प्यार दिया है। दर्शक न सिर्फ अपने पसंदीदा टॉप 6 सिंगर को गाते हुए सुनेंगे बल्कि इस खास दिन पर उन्हें इंडिया के सबसे बेहतरीन सिंगर्स के गाने सुनने के लिए भी मिलेंगे। इस शाम में इंडियन आइडल 12 के मेजबान आदित्य नारायण को कंपनी देने के लिए मंच पर जय भानुशाली भी नजर आएंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक अंकित मिश्रा द्वारा बालाजी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 3, लिंक रोड नं. 3, नेशनल प्रेस एरिया, पत्रकार कॉलोनी के पास भोपाल (म.प्र.) से मुदित एवं मिश्रा भवन पुलिस चौकी के सामने शनीचरी सागर (म.प्र.) 470002 से प्रकाशित संपादक- अंकित मिश्रा, मो. 9111171095। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकारी सागर न्यायालय का रहेगा। आर.एन.आई. रजिस्ट्रेशन क्रमांक MPHIN/2017/75816

कार ने बाइक को मारी टक्कर, हादसे में पांच की मौत

संभल। उप्र के संभल जिले के जुनावई के गुन्नौर कोतवाली क्षेत्र में हाईवे से गांव कादराबाद की ओर जाने वाले संपर्क मार्ग पर बाइक और कार के बीच भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार दंपती, उनके दो मासूम बेटों, युवक के पिता व एक बकरी की मौत हो गई। सभी पांच लोग बाइक पर सवार थे। मिली जानकारी के अनुसार गुन्नौर कोतवाली क्षेत्र के गांव उमरा निवासी विपनेश (22) अपनी पत्नी प्रीति (22), चार व डेढ़ वर्षीय बेटे और पिता रामनिवास (55) के साथ जिला बदायूं के सहसवान क्षेत्र के गांव कोलियाई के साप्ताहिक बाजार में गया था। वहां से दो छोटी बकरी खरीदकर सभी पांच लोग दोनों बकरियों को साथ लेकर एक ही बाइक से वापस आ रहे थे। मेरठ-बदायूं स्टेट हाईवे से गांव कादराबाद को जाने वाले संपर्क मार्ग पर सामने से आ रही कार से बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार दो मासूम बच्चों सहित पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

आज आत्मनिर्भर नारीशक्ति से संवाद में भाग लेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी 12 अगस्त को आत्मनिर्भर नारीशक्ति से संवाद में भाग लेकर दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत पदोन्नत महिला स्वयं सहायता समूह के सदस्यों / सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों के साथ बातचीत करने वाले हैं। पीएमओ की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार पीएम मोदी स्व सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की सफलता की कहानी का विवरण और कम व छोटी जोत वाली खेती से पैदा होने वाली आजीविका पर एक पुस्तिका भी जारी करने वाले है। इस दौरान पीएम मोदी चार लाख स्व-सहायता समूहों को 1,625 करोड़ रुपये की सहायता राशि भी जारी करने वाले है। इसके अलावा वह पीएम फॉर्मलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइजेज (पीएमएफएमई) के तहत आने वाले 7,500 स्व-सहायता समूहों को 25 करोड़ रुपये की आरंभिक धनराशि भी जारी करने वाले है।

जम्मू कश्मीर में कश्मीरी पंडितों की नौ संपत्तियां लौटाई गई

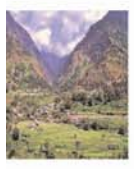

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि वह कश्मीर में आतंकवादी हिंसा के चलते अपने घरों से पलायन कर गये कश्मीरी पंडितों की पैतृक संपत्ति को बहाल करने के प्रयास कर रही है तथा अभी तक नौ संपत्तियों को उनके उचित एवं वास्तविक स्वामियों को वापस कर दिया गया है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर विस्थापित अचल संपत्ति (संरक्षण, सुरक्षा एवं मजबूरी में बिक्री का निषेध) कानून 1997 के तहत राज्य के संबंधित जिलों के जिलाधीश विस्थापितों की अचल संपत्ति के कानूनी संरक्षक होते हैं और अतिक्रमण होने की स्थिति उन संपत्तियों को खाली करवाने के लिए स्वतः आधार पर भी कार्रवाई कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विस्थापित लोग ऐसे मामलों में जिलाधीशों से अनुरोध कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि संपत्ति को उसके उचित एवं वास्तविक स्वामी को लौटाने के मामले में जम्मू कश्मीर सरकार द्वारा उपलब्ध करायी गयी जानकारी के अनुसार नौ संपत्तियों को लौटा दिया गया है।

उज्ज्वला के तहत मिले 90 प्रतिशत सिलेंडर धूल खा रहे : प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उज्ज्वला योजना के दूसरे चरण की शुरुआत करने के बाद उन्होंने दावा किया कि उज्ज्वला के तहत मिले 90 प्रतिशत सिलेंडर धूल खा रहे हैं। इतना ही नहीं महिलाएं चूल्हे पर खाना बनाने को मजबूर हैं। क्योंकि भाजपा सरकार ने सिलेंडर के दाम 7 सालों में दुगने और सब्सिडी न के बराबर कर दी है। प्रियंका ने कहा, अगर उज्ज्वला को लेकर सरकार जरा भी ईमानदार हैं, तब गरीबों को सब्सिडी देकर महंगाई कम करे। प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तरप्रदेश के महोबा जिले से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के दूसरे चरण की शुरुआत की। उन्होंने उज्ज्वला योजना-दो के 10 लाभार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में मोदी ने उज्ज्वला योजना के पहले चरण के पांच लाभार्थियों से बातचीत भी की थी।

लोकसभा अध्यक्ष ने बुलाई बैठक, संसद चलाने के मुद्दे पर एक राय बनाने की कोशिश

अतुल्य भास्कर, नई दिल्ली

लोकसभा की कार्यवाही बुधवार को अनिश्चितकाल तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं की बैठक बुलाई। बिड़ला के कक्ष में हुई इस बैठक का मकसद संसद चलाने के मुद्दे पर एक राय बनाना था। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी मौजूद रहे।

बैठक में तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंदोपाध्याय, द्रमुक के टीआरबालू, अकाली दल के सुखबीर सिंह बादल, मिथुन रेड्डी, बीजू जनता दल के पिनाकी मिश्रा और जेडीयू के राजीव रंजन सिंह लल्लन, बीएसपी के रितेश पांडेय और तेलंगाना राष्ट्र समिति के नामा नागेश्वर राव भी शामिल हुए।

बिड़ला ने सभी दलों के नेताओं से आग्रह किया कि भविष्य में सदन में चर्चा और संवाद को प्रोत्साहित किया जाए। चर्चा और संवाद से ही जनता का कल्याण होगा। उन्होंने कहा कि जिस ढंग से कुछ सांसदों ने व्यवहार किया, वह ठीक नहीं था। संसद की मर्यादा बनी रहनी चाहिए। इस बारे में सभी पार्टियों को सोचना चाहिए। मीडिया से बातचीत में बिड़ला ने मानसून सत्र में सदन की कार्यवाही ठीक से नहीं चलने पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही सहमति और जिम्मेदारी के साथ चलनी चाहिए, लेकिन चेंबर के पास आकर सांसदों का तख्तियां लहराना, नारे लगाना परंपराओं के खिलाफ है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सदन में हंगामे के कारण महज 22 प्रतिशत ही कामकाज हुआ। मेरी कोशिश थी कि सदन पहले की तरह चलता और सभी मुद्दों पर चर्चा होती। सभी सदस्य चर्चा करते, जनता के मुद्दे रखते, लेकिन ऐसा संभव नहीं हो पाया।

लोकसभा की 17 बैठकों में 21 घंटे 14 मिनट कामकाज हुआ

उन्होंने बताया कि 17वीं लोकसभा की छठी बैठक 19 जुलाई 2021 को शुरू हुई। इस दौरान 17 बैठकों में 21 घंटे 14 मिनट कामकाज हुआ। हंगामे के कारण 96 घंटे में से करीब 74 घंटे कामकाज नहीं हो सका। कुल 20 बिल पास हुए। इस दौरान ह्र्क्ष्ट से संबंधित संविधान (127वां संशोधन) विधेयक सहित कुल 20 विधेयक पारित किए गए। चार नए सदस्यों ने शपथ ली। संसद का मानसून सत्र 19 जुलाई से शुरू हुआ, जिसे 13 अगस्त को समाप्त होना था। सेशन के दौरान पेगासस जासूसी मामला और केंद्र के तीन नए कृषि कानूनों और दूसरे मुद्दों पर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के सदस्यों के शोर-शराबे के कारण कामकाज बाधित रहा।

सीआईआई की सालाना मीटिंग में प्रधानमंत्री मोदी बोले

हमने पुरानी गलतियां सुधारकर रेट्रोस्पेक्टिव टैक्स खत्म किया

अतुल्य भास्कर, नई दिल्ली

भारतीय उद्योग परिसंघ की दो दिन तक चलने वाली सालाना मीटिंग बुधवार को शुरू हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से इस मीटिंग को संबोधित किया। क्क्रन्ने कहा कि हमने इतिहास की गलती को सुधारते हुए रेट्रोस्पेक्टिव टैक्स खत्म किया है। इससे उद्योगों और सरकार के बीच भरोसा बढ़ेगा। इस मीटिंग में सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री हेंग स्वी कीट इंटरनेशनल गेस्ट के तौर पर मीटिंग में मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि नया भारत आज नई दुनिया के साथ चलने को तैयार है। जो भारत कभी विदेशी निवेश से आशंकित था, आज वो हर प्रकार के निवेश का स्वागत कर रहा है। इंडस्ट्री ने देश की जरूरतों को पूरा करने में भरपूर सहयोग दिया है। अब भारत की इकोनॉमी फिर से गति पकड़ रही है। सरकार उद्योग जगत के साथ है, नए अवसर को ध्यान में रखते हुए लक्ष्य पूरा करें। आत्मनिर्भर भारत की सफलता की जिम्मेदारी उद्योगों पर है। रेट्रोस्पेक्टिव टैक्स दरअसल वो टैक्स होता है जो कंपनियों से उनकी पुरानी डील पर भी वसूला जाता है। आसान भाषा में समझें तो अगर सरकार 2021 में किसी डील या सर्विस पर नया टैक्स लगाने का कानून बनाती है, तो रेट्रोस्पेक्टिव टैक्स के तहत कंपनियों से उसकी वसूली पिछली किसी तारीख से भी की जा सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे खत्म करने की बात कही है। यानी नया टैक्स लगाने की तारीख से ही वह लागू होगा, किसी पिछली तारीख से नहीं। उन्होंने कहा, यह समय भारतीय उद्योग जगत के नए संकल्पों और लक्ष्यों के लिए बहुत बड़ा अवसर है। आज देश की स्थिति तेजी से बदल रही है। देश का फॉरेक्स रिजर्व हाई पर पहुंच गया है, आज हर भारतीय देश में बने प्रोडक्ट को अपनाना चाहता है। आत्मनिर्भर भारत अभियान आगे बढ़ने में बहुत मदद करेगा।

सरकार इंडस्ट्रीज के साथ

इस बार सीआईआई की मीटिंग की थीम भारत के 75 साल- आत्मनिर्भर भारत के लिए सरकार और व्यवसायी मिलकर करें काम है। मीटिंग में पीएम ने कहा कि महामारी के बीच आज की बैठक बेहद हुत अहम है। इंडस्ट्री ने देश की जरूरतों को हर संभव सहयोग दिया है। सीआईआई की ये बैठक इस बार 75वें स्वतंत्रता दिवस के माहौल में, आजादी के अमृत महोत्सव के बीच हो रही है।

लोग देश में बने प्रोडक्ट चाहते हैं

भारत में बने प्रोडक्ट्स के महत्व की बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज स्थिति तेजी से बदल रही है। आज लोगों की भावना देश में बने प्रोडक्ट्स के साथ हैं। कंपनी भारतीय हो ये जरूरी नहीं, लेकिन आज हर भारतीय, देश में बने प्रोडक्ट्स अपनाना चाहता है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब हमें लगता था कि विदेशी ही बेहतर है। इस सोच का परिणाम क्या हुआ, ये आप जैसे इंडस्ट्री के दिग्गज अच्छे से समझते हैं।

यूपी चुनाव से पहले भाजपा एक्टिव

छोटी-छोटी चौपाल लगाकर किसान आंदोलन को काउंटर करेगी भाजपा

अतुल्य भास्कर, नई दिल्ली

लंबे समय से चल रहे किसान आंदोलन को भले ही केंद्र सरकार लगातार अनदेखा कर रही है, लेकिन दूसरी तरफ उसने किसान आंदोलन के राजनीतिक प्रभाव का आंकलन भी शुरू कर दिया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय नेतृत्व ने आगामी चुनावों में किसान आंदोलन के प्रभाव को जानने के लिए पार्टी के किसान नेताओं से मशविरा किया है और इससे निपटने के लिए रणनीति बना ली गई है।

उप्र चुनाव को लेकर भाजपा किसान आंदोलन की वजह से जरा सा भी जोखिम नहीं लेना चाहती है। लिहाजा, क्क में किसान आंदोलन के लिए काउंटर नीति बनकर तैयार हो गई है। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रामबाबू द्विवेदी ने बताया, 16 से 25 अगस्त तक हम गांवों में किसानों के साथ खाट और चबूतरों पर बैठक करेंगे। बड़ी चौपाल की जगह छोटी-छोटी चौपालें लगाई जाएंगी। किसानों की समस्याएं सुनकर उन्हें योगी सरकार तक पहुंचाया जाएगा, ताकि उनका समाधान निकल सके। भाजपा इन किसान चौपालों के जरिए किसान आंदोलन के असर को टटोलने की भी कोशिश करेगी, ताकि इस असर को बेअसर करने की रणनीति बनाई जा सके।

टिकैत के आंदोलन पर पानी फेरने की क्या होगी रणनीति?

16 से 25 अगस्त तक यूपी की 104 विधानसभा सीटों के तहत आने वाले गांवों में भाजपा का किसान मोर्चा चौपाल लगाएगा। मोर्चा केवल आयोजक है, लेकिन इसमें किसानों से सीधा संवाद का काम भाजपा के किसान नेता करेंगे। बड़ी चौपाल की जगह खाट और चबूतरों पर छोटी चौपाल को तरजीह दी जाएगी। इसकी वजह है कि पार्टी किसानों से सीधा संवाद करना चाहती है। उत्तर प्रदेश भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने किसान मोर्चा को यह सुझाव दिया है कि वह किसानों के छोटे-छोटे समूहों तक पहुंचे और सरकार तक उनकी बात पहुंचाए। किसानों की समस्याएं सुनने के साथ, किसानों के लिए क्कसरकार द्वारा किए गए कामकाज का ब्यौरा दिया जाएगा। 25 से 30 सितंबर तक किसानों की सभी मांगों और समस्याओं को इकट्ठा कर एक दस्तावेज तैयार किया जाएगा। इस दस्तावेज को ग्रामीण किसानों का एक प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपेगा।

महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद : अजीत पवार की पीएम को चिट्ठी, बोले

सीमावर्ती इलाकों के मराठी लोगों को न्याय दिलाया जाए

अतुल्य भास्कर, मुंबई

महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री अजीत पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने प्रधानमंत्री से पड़ोसी राज्य कर्नाटक के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को सुलझाने के लिए दखल देने की मांग की है। 9 अगस्त को लिखे इस पत्र में पवार ने मोदी से मराठी भाषी लोगों पर कर्नाटक सरकार के अत्याचारों को रोकने और विवादित क्षेत्रों को महाराष्ट्र में शामिल करने का बीड़ा उठाने की अपील की। दरअसल, बेलगाम, कारवर और निप्पनी समेत कई सीमावर्ती इलाकों पर महाराष्ट्र अपना दावा जताते आया है। इन इलाकों में ज्यादातर मराठी बोलने वाले लोग रहते हैं। वहीं, बेलगाम और अन्य सीमावर्ती इलाकों का मामला कई वर्षों से सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन भी है। पवार ने कहा कि महाराष्ट्र राज्य का गठन और मुंबई को इसकी राजधानी बने हुए 60 साल से अधिक समय हो गया है, लेकिन, बेलगाम, कारवार, बीदर, भालकी, निप्पनी और कर्नाटक के अन्य मराठी भाषी क्षेत्र अभी भी महाराष्ट्र में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और इसकी सीमा से लगे कर्नाटक के मराठी भाषी इलाकों में रहने वालों को इस बात का अफसोस है कि अभी तक इस मुद्दे का समाधान नहीं हुआ है। जब तक सीमा पर मराठी भाषी क्षेत्रों सहित संयुक्त महाराष्ट्र का सपना साकार नहीं हो जाता, तब तक महाराष्ट्र आराम नहीं करेगा।

तीसरी लहर को लेकर बड़ी चेतावनी

वैक्सीन से बनी हर्ड इम्युनिटी भी डेल्टा के सामने नाकाम

अतुल्य भास्कर, नई दिल्ली

सबसे तेजी से फैलने वाला कोरोना का डेल्टा वैरिएंट और ज्यादा खतरनाक होता जा रहा है। एक्सपर्ट्स का दावा है कि वैक्सीनेशन के बाद हर्ड इम्युनिटी भी इस वैरिएंट को रोक पाने में असफल दिख रही है। ऐसे में संक्रमण कब तक रहेगा यह कह पाना मुश्किल है। ऑक्सफॉर्ड वैक्सीन ग्रुप के प्रमुख प्रोफेसर एंड्रयू पोलार्ड ने मंगलवार को ब्रिटेन के ऑल पार्टी पार्लियामेंट्री ग्रुप की मीटिंग में ये बाते कहीं। पोलार्ड ने कहा कि महामारी तेजी से अपना स्वरूप बदल रहा है। डेल्टा वैरिएंट अभी के समय में सबसे ज्यादा संक्रामक बना हुआ है।

प्रोफेसर एंड्रयू पोलार्ड ने कहा, हमारे पास ऐसा कुछ नहीं है जो संक्रमण को फैलने से रोकेगा। इसलिए मुझे लगता है कि हम ऐसी स्थिति में हैं जहां हर्ड इम्युनिटी संभव नहीं है। मुझे संदेह है कि यह वायरस ऐसा नया स्वरूप पैदा करेगा जो टीका लगवा चुके लोगों को भी संक्रमित करने में सक्षम होगा।' बता दें कि डेल्टा वैरिएंट के केस सबसे पहले भारत में ही मिले थे। दूसरी लहर में खतरनाक हुए संक्रमण के बाद अगर तीसरी लहर आती है तो इसकी सबसे बड़ी वजह डेल्टा वैरिएंट को ही बताया जा रहा है। यह एक आदमी से दूसरे तक बहुत तेजी से फैलता है। यह दुनिया के 150 ज्यादा देशों में फैल चुका है।

वैक्सीन नहीं लगवाने वाले कभी भी हो सकते हैं संक्रमित

प्रोफेसर पोलार्ड ने उन लोगों को सीधे तौर पर चेतावनी दे डाली जो अभी भी वैक्सीन को लेकर लापरवाही बरत रहे हैं। पोलार्ड ने कहा कि जिन लोगों ने अभी भी वैक्सीन नहीं ली है, वे जल्दी से टीका ले लें। वर्ना वे कब संक्रमित होंगे उन्हें खुद पता नहीं चलेगा। पोलार्ड ने वैक्सीनेशन को लेकर सीधे तौर पर कहा कि यह जितनी जल्दी और जितनी ज्यादा हो जाए उतना अच्छा है। प्रोफेसर पोलार्ड ने कहा, 'इस संक्रमण के साथ दिक्कत यह है कि यह खसरा नहीं है। अगर 95त्न लोगों को खसरे का टीका लगा दिया जाता है तो यह वायरस फैल नहीं सकता। वहीं डेल्टा स्वरूप उन लोगों को संक्रमित करता है जो वैक्सीन ले चुके हैं। इसका मतलब है कि जिसने अभी तक टीका नहीं लगवाया है वह कभी न कभी संक्रमित हो सकता है।'

न्यूजीलैंड में बर्फबारी आमतौर पर अक्टूबर में होती है, लेकिन जलवायु परिवर्तन की वजह से यहां दो महीने पहले ही बर्फ गिरनी शुरू हो गई है। रविवार को मध्य और दक्षिणी न्यूजीलैंड में 8 इंच तक बर्फबारी हुई।

ईरान में कोरोना टीकों की कमी

दुबई, एजेंसी। इनदिनों ईरान कोरोना महामारी के सबसे बुरे प्रकोप से गुजर रहा है। इतना ही नहीं टीका नहीं लगवा पा रहे लोगों का गुस्सा टीका लगवा चुके लोगों की बिना मास्क वाली तस्वीरें टीवी पर या इंटरनेट पर देखकर भड़क रहा है। ईरान, दुनिया के अधिकांश हिस्सों की तरह, अमेरिका जैसे देशों के मुकाबले अपनी जनता को टीका लगाने में बहुत पीछे है, देश के आठ करोड़ से अधिक लोगों में से केवल 30 लाख को ही टीके की दोनों खुराकें लगी हैं।

हेल्थ टिप्स

पानी में नमक मिला कर नहाने से होते हैं ये फायदे

सर्दी में गर्म पानी से नहाना लोगों की मजबूरी होती है. ऐसे में बेहतर होता है कि आप उस गुनगुने पानी में नमक डाल कर नहाएं, इससे कई तरह की बीमारियां दूर होती हैं.

सर्दियों में कई तरह की बीमारी के होने का खतरा बना रहता है. जैसे, त्वचा में रूखापन, खुजली, दाद-खाज, त्वचा में सफेदी आदि. इसके अलावा शरीर में नमी की कमी के कारण बाल झड़ने, डैंड्रफ जैसी दिक्कतें भी होती हैं. इन समस्याओं में पानी में नमक डाल कर नहाना काफी फायदेमंद होता है.

सर्दी में गर्म पानी से नहाना लोगों की मजबूरी होती है. ऐसे में बेहतर होता है कि आप उस गुनगुने पानी में नमक डाल कर नहाएं, इससे कई तरह की बीमारियां दूर होती हैं.

- रोजाना गुनगुने पानी में थोड़ा सा नमक डालकर नहाने से त्वचा की सफाई अच्छे से होती है. इससे बालों और त्वचा में चमक भी आती है.
- अक्सर ठंड में सफाई की कमी और नम कपड़ों के कारण शरीर में खुजली व दाद की समस्या होती है. नमक में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं. नमक मिला गुनगुना पानी त्वचा पर मौजूद बैक्टीरिया और जीवाणुओं को खत्म कर रोगों से बचाव करता है.
- आमतौर पर गर्मी के मुकाबले सर्दियों में निखार कम लगती है. खासकर के औयली स्किन वाले लोगों में ये समस्या और ज्यादा होती है. गुनगुने पानी में नमक मिलाकर नहाने से त्वचा में मौजूद डेड स्किन सेल्स निकल जाते हैं. इससे त्वचा में निखार आता है.
- गुनगुने पानी में नमक मिला कर नहाने से मांसपेशियों को काफी राहत मिलती है. कई जानकारों का मानना है कि आर्थराइटिस के मरीजों को गुनगुने पानी में नमक मिला कर नहाने से आराम मिलता है.
- आपको बता दें कि अवसाद या चिंता की स्थिति में भी मांसपेशियों में तनाव आ जाता है. नमक मिला गुनगुना पानी मानसिक तनाव को भी कम करता है.

अफगानिस्तान में पैर पसारता तालिबान, 5 दिन में 5 बड़े शहरों पर कब्जा

3 महीने में हथिया लेगा राजधानी काबुल, वित्त मंत्री ने देश छोड़ा

अतुल्य भास्कर, काबुल

अफगानिस्तान में धीरे-धीरे तालिबान अपनी जड़ें मजबूत करता जा रहा है। बुधवार को तालिबानी आतंकियों ने कुंदुज प्रोविंस के आर्मी हेडक्वार्टर पर कब्जा कर लिया। इस बीच अमेरिकी एक्सपर्ट्स की एक रिपोर्ट सामने आई है। इसमें बताया गया है कि तालिबान 3 महीने के अंदर काबुल पर कब्जा कर सकता है। अमेरिकी सरकार के अधिकारियों ने वॉशिंगटन पोस्ट को बताया कि तालिबान अमेरिका की उम्मीद से ज्यादा तेजी से अफगानिस्तान के शहरों पर कब्जा कर रहा है। 10 अगस्त को तालिबान ने उत्तर पूर्वी बदख्शान प्रोविंस की राजधानी फैजाबाद पर कब्जा किया था। तालिबान 5 दिन के भीतर पांच प्रोविंस की राजधानी कब्जा चुका है। उत्तर में कुंदुज, सर-ए-पोल और तालोकान पर अब आतंकियों का कब्जा है। इन शहरों का नाम इनके प्रोविंस के नाम पर ही है। तालिबान ने दक्षिण में ईरान की सीमा से लगे निमरोज प्रोविंस की राजधानी जरांज पर भी कब्जा कर लिया है। उज्बेकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान सीमा से लगे नोवज्जान प्रोविंस की राजधानी शबरघान से भी तालिबान अफगान सेना को खदेड़ चुका है। इंटेलीजेंस एजेंसियों ने आशंका जाहिर की है कि तालिबान 30 दिन के भीतर काबुल शहर का संपर्क सबसे काट सकता है और 90 दिन के भीतर वह इस शहर का कंट्रोल अपने हाथ में ले सकता है। हालांकि, अमेरिका ने यह भी कहा है कि अफगान फोर्सेस और ज्यादा ताकत लगाकर अफगानियों की रफ्तार को थाम सकती हैं। लेकिन, रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि तालिबान लगातार अपने पैर पसार रहा है और ऐसे में राष्ट्रपति अशरफ गनी ने मौजूदा आर्मी चीफ को हटा दिया है। इस बीच अमेरिका के विशेष राजदूत जलमाय खलीलजाद कोशिश कर रहे हैं कि तालिबान सीजफायर कर ले। कतर, ब्रिटेन, चीन, पाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, संयुक्त राष्ट्र और यूरोपियन यूनियन भी तालिबान से हालात को लेकर चर्चा करने की कोशिश कर रहे हैं।

भारत ने 2 दूतावास से डिप्लोमेट्स बुलाए

भारत अब तक अफगानिस्तान के 2 दूतावासों से अपने डिप्लोमेट्स बुला चुका है। मजार-ए-शरीफ के दूतावास से 10 अगस्त को और कंधार दूतावास से 11 जुलाई को डिप्लोमेट्स बुलाए गए थे। मंगलवार शाम को मजार-ए-शरीफ से एक स्पेशल फ्लाइट ने दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। इसमें 50 भारतीय लौटे थे। 11 जुलाई को कंधार से आई फ्लाइट में भी 50 लोगों को भारत लाया गया था। इस समय अफगानिस्तान में भारत के 1500 लोग काम कर रहे हैं।

24 घंटे में मारे गए 439 आतंकी

अफगानिस्तान की सेना ने मंगलवार को 439 आतंकियों को मार गिराया। 77 आतंकी इस मुठभेड़ में घायल हो गए। अफगान सेना ने पिछले 24 घंटे के अंदर नांगरहार, लघ्मन, लोगार, पक्तिया, उरुजगानो, जाबुल, घोर, फराह, बल्ख, हेलमंड और बघ्लन प्रोविंस में आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन चलाए।

कचरे से बनेगी बायो सीएनजी और टोरेफाइड चारकोल

भोपाल । राजधानी के कचरे से जल्दी ही बायो सीएनजी के साथ ही टोरेफाइड चारकोल बनना शुरु हो जाएगा। नगर निगम ने इस काम के ?लिए प्लांट की स्थापना करने 15 एकड़ जमीन एनटीपीसी को आवंटित करने का प्रस्ताव जिला प्रशासन को भेजा है। सूत्रों की माने तो आदमपुर छावनी लैंडफिल साइट (कचरा खंती) पर 300 टन म्?युनिसिपल सॉलिड वेस्ट से बायो सीएनजी बनाने का प्लांट लगाया जा रहा है, जबकि केंद्र सरकार की कंपनी नेशनल थर्मल पॉवर कार्पोरेशन लिमिटेड (एनटीपीसी) 400 टन सॉलिड वेस्ट से टोरेफाइड चारकोल बनाएगी। कंपनी इस पर लगभग 80 करोड़ रुपए खर्च करेगी। कुछ दिन पूर्व नगर निगम आयुक्त वीएस चौधरी कोलसानी ने एनटीपीसी के डायरेक्टर फाइनेंस एवं चेयरमेन एनवीवीएन अनिल कुमार गौतम के साथ आदमपुर छावनी में लगने वाले सालिड वेस्ट से टोरेफाइड चारकोल बनाने वाले प्लांट स्?थापित करने को लेकर चर्चा की थी, जिसमें दोनों के मध्?य जल्द ही प्लांट निर्माण को लेकर सहमति बनी थी। प्लांट की क्षमता 400 टन प्रतिदिन सूखे कचरे से चारकोल निर्माण की होगी। यह कार्य बिल्ट ऑन ऑपरेट मॉडल पर आधारित है।

कोचिंग संचालक कोरोना अनुकूल व्यवहार का पालन सुनिश्चित करें -सीएम

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोचिंग संचालक अपने संस्थानों में कोरोना अनुकूल व्यवहार का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें। कोचिंग कक्षाओं के संचालन की अनुमति के संबंध में राज्य शासन विचार कर रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास पर भेंट के लिए आए मध्यप्रदेश कोचिंग ऑनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों से यह बात कही। प्रदेश के कोचिंग संचालकों के प्रतिनिधि मंडल ने आज विधायक रमेश मेंदोला की उपस्थिति में मुख्यमंत्री श्री चौहान से भेंट की। विधायक संजय पाठक भी इस अवसर पर उपस्थित थे। मध्यप्रदेश कोचिंग ऑनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण बकोरिया ने मुख्यमंत्री चौहान को बताया कि कोरोना महामारी से जिन विद्यार्थियों के माता-पिता का निधन हो गया है, उनके लिए एसोसिएशन द्वारा कोचिंग और हॉस्टल का निःशुल्क प्रबंध किया गया है।

मुख्यमंत्री चौहान ने खुदी राम बोस को किया नमन

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व.खुदीराम बोस की पुण्य तिथि पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास पर उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। खुदीराम बोस मात्र 19 साल की उम्र में देश की स्वतंत्रता के लिए फाँसी चढ़ गए थे। कई विद्वानों के अनुसार वे देश के लिए फाँसी चढ़ने वाले सबसे कम उम्र के युवा क्रांतिकारी और देशभक्त थे। उन्हें 11 अगस्त 1908 को फाँसी दी गई। खुदीराम बोस का जन्म 3 दिसम्बर 1889 को मिदनापुर जिले में हुआ था। सन् 1905 में बंगाल विभाजन के बाद खुदीराम बोस स्वाधीनता आंदोलन में कूद पड़े। वे रिवोल्यूशनरी पार्टी में शामिल हुए और वंदे-मातरम के पर्चे वितरित करने सहित अनेक क्रांतिकारी गतिविधियों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। कोलकाता के मजिस्ट्रेट किंग्जफोर्ड पर बम फेंकने के प्रयास में दो यूरोपियन महिलाओं की मौत हो गई। खुदीराम बोस को गिरफ्तार कर मुकदमा चलाया गया और फिर फाँसी की सजा सुनाई गई।

कोरोना आपदा के मृतकों को मुआवजा दिया जाए

भोपाल। कोरोना महामारी की दोनों आपदाओं के दौरान इस महामारी और उसके कारण बाकी बीमारियों में इलाज न मिल पाने के चलते हुयी मौतों वाले परिवारों को प्रति परिवार 5 लाख रुपये की राहत राशि प्रदान करने, प्रति परिवार एक व्यक्ति को स्थायी शासकीय नौकरी देकर उनका भविष्य सुरक्षित करने की मांगों को लेकर आज सीपीएम राज्यसचिव जसविंदर सिंह की अगुआई में भोपाल में विधानसभा पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने धरना दिया। आंदोलनकारियों के अनुसार इन मौतों ने संबंधित परिवारों के जीवन को भी संकट में डाल दिया है। ऐसी स्थिति में किसी भी निर्वाचित सरकार की संविधान सम्मत जिमेदारी बनती है कि वह इन परिवारों की जीवन रक्षा के लिए समुचित कदम उठाये। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी इसी आशय का फैसला सुनाया है। माकपा के अनुसार विभागीय आपराधिक लापरवाही के चलते अनेक मृतकों की मृत्यु का वास्तविक कारण ही दर्ज नहीं किया गया / दर्ज नहीं करने के निर्देश दिए गए। काफी बड़ी संख्या में ऐसी मौतें हुयी हैं जिन्हे सामान्य इलाज उपलब्ध करके ही टाला जा सकता था, अतएव इस दौरान कोरोना संक्रमण, संदिग्ध संक्रमण, अन्य बीमारियों में इलाज न मिल पाने की वजह से हुयी समस्त मौतों को इस राहत की श्रेणी में लिया जाए।

टीआई पर महिला ने लगाया रेप का आरोप, टीआई निलंबित, जॉच शुरु

भोपाल। प्रदेश के होशंगाबाद जिले में वर्दी को दागदार करने का एक ओर मामला सामने आया है। एक महिला ने रामपुर थाने के पूर्व प्रभारी एसआई राजन सिंह गुर्जर के खिलाफ दुष्कर्म का आरोप लगाया है। जानकारी के इटारसी की रहने वाली पीडीता ने अपनी शिकायत मे कहा करीब पॉच महीने पहले एसआई राजन गुर्जर इटारसी थाने में पदस्थ थे। इटारसी थाने में उनसे उसकी जान पहचान हुई। इसके बाद एसआई गुर्जर ने उसका नंबर ले लिया और बाद में व्हाट्सएप पर अश्लील मैसेज भेजने लगे। पीडीत के मना करने पर उन्होंने उसे अपने झांसे मे लेते हुए कहा कि वो उसके साथ जीवन गुजारना चाहते है। महिला ने अपनी शिकायत मे आगे बताया कि वो उसकी बातों में आ गई। इसके बाद राजन सिंह गुर्जर उसे अपनी कार से कभी तवा रिसोर्ट ले गए, तो उनके परिचित के कमरे मे तो कभी तिलक सिंदूर केंद्र ले गए। जहॉ उन्होंने महिला के साथ शारिरीक संबंध बनाए। आरोप है कि कुछ दिन पहले एसआई गुर्जर रामपुर थाना प्रभारी बने, उसके बाद से ही उन्होने महिला से दूरी बनानी शुरु कर दी।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने भांजी लाठियां

भोपाल (निसं)। बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ छ्रूहाउस का घेराव करने जा रहे मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने पीसीसी से निकलते ही रोक लिया है। कार्यकर्ताओं को रेडक्रॉस हॉस्पिटल के सामने रोका गया है। यहां पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में झड़प हो गई। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास, विधायक जयवर्द्धन सिंह, कुणाल चौधरी समेत कई नेता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए वाटर कैनन का उपयोग किया, जिससे आंदोलनकारी तितर-बितर हो गए। इस दौरान विधायक जयवर्धन सिंह के कपड़े फट गए।

पुलिस ने कांग्रेसियों को घसीट-घसीट कर बस में बैठाया। प्रदर्शकारियों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठियां भी चलाईं। इस बीच कुछ महिला कार्यकर्ता सामने आ गईं। उनका आरोप है, पुलिस ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया है। वहां महिला पुलिसकर्मी मौजूद नहीं थीं। पुलिस ने करीब 300 से 400 कांग्रेस नेताओं को गिरफ्तार भी किया है। सभी कार्यकर्ताओं को रातीबड़ ले जाया गया है। बाद में इन्हें कार्रवाई के बाद छोड़ दिया गया।

इससे पहले, प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर कांग्रेसियों की खासी भीड़ जमा हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास ने कहा कि शिवराज सरकार कांग्रेस के घेराव से डर गई है, इसलिए विधानसभा सत्र समय से पहले ही खत्म कर दिया। मध्यप्रदेश बेरोजगारी में नंबर-1 है। मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री बंगाल चुनाव में व्यस्त थे और प्रदेश में लोग कोरोना से मर रहे थे।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में देश का अन्नदाता 8 महीने से बैठा है, लेकिन केंद्र सरकार कुछ नहीं कर रही है। देश में लोग कोरोना से नहीं बल्कि स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी से मरे हैं। लोगों को समय पर ऑक्सीजन, बेड और वेंटिलेटर की सुविधा नहीं मिल पाई।

मंच पर चढ़ने को लेकर विवाद

PCC के सामने बनाए गए मंच पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता चढ़ गए। मंच के गिरने की संभावना के चलते इन कार्यकर्ताओं को नीचे उतारा गया। हालांकि, इस दौरान कांग्रेसियों में नोंकझोंक भी हो गई। सीनियर नेताओं की समझाइश के बाद मामला शांत हुआ।

PCC चीफ कमलनाथ ने कहा कि मध्यप्रदेश किसानों की आत्महत्या, महिला अत्याचार और बेरोजगारी में नंबर-1 है। हमें सिर्फ साढ़े 11 महीने मिले थे। हमने किसानों के कर्जा माफ किया।

प्रदर्शन में कांग्रेस के कई सीनियर नेता शामिल हैं। मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रभारी सीपी मित्तल समेत पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया, सुरेश पचौरी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैया, पूर्व मंत्री व विधायक सज्जन सिंह वर्मा, पीसी शर्मा, जीतू पटवारी, सुरेंद्र सिंह हनी बघेल, युवा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष विक्रांत भूरिया, विधायक कुणाल चौधरी, विपिन वानखेड़े, आरिफ मसूद, लखन घनघोरिया, गोपाल सिंह डग्गी राजा, संगठन मंत्री राजीव सिंह भी मंच पर मौजूद हैं।

बता दें इससे पहले युवा कांग्रेस ने विधानसभा घेराव की रणनीति बनाई थी। विधानसभा का मानसून सत्र 9 से 12 अगस्त तक के लिए बुलाया गया था, लेकिन सत्र 10 अगस्त को ही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया। इसके बाद युवा कांग्रेस ने अपनी रणनीति बदलकर सीएम आवास का घेराव करने का ऐलान किया। कांग्रेसियों को घेराव से रोकने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। वज्र समेत पानी की बौछार करने के लिए दमकलें बुलाई गई हैं। पुलिस ने व्यापमं चौराहे से गुलाब पार्क तक के हिस्से को पुलिस छावनी में बदल दिया है।

सरकार ने बातचीत के लिए पटवारी संघ के पदाधिकारियों को बुलाया

प्रदेश अध्यक्ष बोले- मीटिंग का नतीजा निकला तो ही हम पीछे हटेंगे

भोपाल (निसं)। मप्र में पटवारी कलमबंद हड़ताल पर है। इससे सरकारी कामकाज पर असर पड़ रहा है। आय-जाति के सर्टिफिकेट से लेकर जमीन की नक्शा-खसरा रिपोर्ट नहीं बन रही है तो रेवेन्यू से जुड़े कई काम अटक गए हैं। इसके चलते ही सरकार ने बुधवार को मप्र पटवारी संघ के पदाधिकारियों को बातचीत के लिए बुलाया है। हालांकि, इस तरह की बातचीत पहले भी हो चुकी है, लेकिन मांगें पूरी नहीं हुईं। पटवारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र सिंह का कहना है कि मीटिंग का कोई नतीजा निकला तो ही पीछे हटेंगे।

मध्यप्रदेश में 19 हजार से अधिक पटवारी हैं, जो अपनी 3 सूत्रीय मांगों को लेकर 25 जून से ही चरणबद्ध तरीके से आंदोलन कर रहे हैं। 10 अगस्त से वे कलमबंद हड़ताल पर चले गए हैं। इस कारण रेवेन्यू, वेब लड्डस सहित अन्य विभागों के सभी काम ठप पड़ गए हैं। पहले दिन प्रदेश के सभी जिलों में पटवारियों ने धरना भी दिया।

सरकार ने बुलावा भेजा, बातचीत को तैयार: प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र सिंह का कहना है कि सरकार बातचीत के लिए तैयार हो गई है। इसलिए बुधवार को मिलने का बुलावा भी भेजा है। दोपहर में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत समेत प्रमुख सचिव से मिलेंगे। यदि सरकार मांगों को मानती है तो ही हटेंगे।

ये हैं पटवारियों की मांगें

- पटवारियों का ग्रेड पे 2800 करते हुए समय मान वेतनमान विसंगति को दूर किया जाए।
- गृह जिले में पदस्थापना हो। वर्तमान में कई पटवारियों को गृह जिले से सैकड़ों किलोमीटर दूर पदस्थ कर दिया गया है।
- नवीन पटवारियों की [illegible] की अनिवार्यता संबंधी नियम समाप्त किया जाए।

पहले भी लिखित आश्वासन दे चुकी सरकार: पटवारी संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि इससे पहले वर्ष 2019 में भी सरकार पटवारियों की मांगों का निराकरण करने का लिखित आश्वासन दे चुकी है, लेकिन अब तक मांगों का कुछ हुआ। इसलिए भरोसा नहीं कर सकते। सरकार मांगें पूरी करती है तो ही हड़ताल स्थगित करेंगे।

नेहरू परिवार को हर महीने ये बताने की जरूरत क्यों पड़ जाती है कि वो हिन्दू है : सारंग

भोपाल (निसं)। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि देश में सौ करोड़ से ज्यादा हिन्दू हैं लेकिन किसी को भी यह बताने की जरूरत नहीं पड़ती की वो हिन्दू है। आखिर राहुल गांधी को ही हर महीने ये बताने की जरूरत क्यों पड़ती है कि वो हिन्दू हैं।

श्री सारंग ने कहा कि हमें प्रसन्नता है कि राहुल गांधी खुद को हिंदू बता रहे हैं। लेकिन उन्हें यह ध्यान रखना चाहिए कि मैं हिंदू हूं यह बार-बार बताने की जरूरत नहीं पड़े। उन्होंने कहा कि हर महीने 2 महीने में नेहरू परिवार को यह बताने की जरूरत क्यों पड़ती है कि वह हिंदू हैं। इसका यही मतलब निकलता है कि दाल में कुछ काला है। सारंग ने कहा कि इस देश में रहने वाला मुसलमान नहीं बोलता कि वह मुसलमान है क्योंकि सबको पता है, हिंदू नहीं बोलता कि वह हिंदू है क्योंकि सबको पता है। लेकिन महीने 2 महीने में नेहरू परिवार नाटक नौटंकी करता है। कभी कोर्ट के ऊपर जनेऊ पहन लेना, नाटक नौटंकी करके तिलक लगा लेना, उल्टे हाथ जोड़कर पूजा कर लेना, उल्टी थाली घुमा कर आरती कर लेना इससे कोई हिंदू नहीं हो जाता।

श्री सारंग ने राहुल गांधी के खुद को कश्मीरी पंडित बताने पर जोरदार तंज कसते हुए कहा कि, नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली। राहुल गांधी मंदिर जाते हैं तो राजनीति होती है। यह वही राहुल गांधी है जो मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले मध्य प्रदेश के मंदिर में घूमे थे, भटके थे और उसके बाद उन्होंने पलटकर भी नहीं देखा।

कमलनाथ ने पार्टी का झंडा दिखा कर संवाद यात्रा का शुभारम्भ किया

भोपाल (निसं)। कमलनाथ ने इंदिरा भवन शिवाजी नगर भोपाल से जन संसद संवाद यात्रा को पार्टी का झंडा दिखा कर रवाना किया यह यात्रा समूचे मध्य प्रदेश में जायेगी और जगह जगह नुक्कड़ सभा, बैठक और जन संसद संवाद का कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा आज भाजपा सरकार के द्वारा जनता की समस्याओ की अनदेखी की जा रही है, जो गंभीर समस्याओ के लिए आवाज़ उठाता है उसे देश द्रोही करार देने का प्रयास किया जाता है, ऐसे कई मुद्दे है जिन पर संसद में बहस कराने की आवश्यकता है लेकिन भाजपा सरकार ने जनप्रतिनिधियों का यह अधिकार भी समाप्त कर दिया है इन मुद्दों पर सदन में कोई चर्चा और बहस नहीं होती है।

इसीलिए ऐसे समय में श्रीमती सोनिया गाँधी जी राहुल गाँधी जी, कमलनाथ जी की मंशानुसार तथा राजमणि पटेल सांसद राज्यसभा, अध्यक्ष म.प्र. कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग की अपील अनुसार हर जिले में जन-संसद-संवाद का आयोजन किया जा रहा है जिसमे जनता की सीधे भागेदारी रहेगी खुले रूप से उपरोक्त मुद्दों पर विचार विमर्श होगा, भाजपा के द्वारा किये गए झूठे वादों की पोल खोली जाएगी तथा सुझाव भी लिए जायेंगे जिस पर अमल करने के लिए सरकार पर दबाव बनाया जायेगा। उक्त यात्रा में प्रमुख रूप से प्रमुख रूप से पवन कुमार पटेल महासचिव म.प्र. कांग्रेस कमेटी, विद्या राम वर्मा उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग विभाग, रविन्द्र यादव महासचिव पिछड़ा वर्ग विभाग, स्वराज सिंह सचिव, अभिषेक पटेल, दिग्विजय पटेल, शैलेन्द्र मर्सकोले व अन्य साथी निवेदन व मार्गदर्शन हेतु समूचे प्रदेश में पहुचेंगे।

राजधानी में आज से लगेगा कोवैक्सीन का पहला डोज

भोपाल । राजधानी में आज कोवैक्सीन का पहला डोज भी हितग्राहयों को लगाया जाएगा। टीकाकरण के ?लिए कोविन पोर्टल पर ऑनलाइन बुकिंग मंगलवार से ही शुरू कर दी गई है। करीब दो महीने बाद ऐसी स्थिति बनी है, जब कोवैक्सीन पहले डोज वाले हितग्राहियों को भी लगाई जा रही है। केंद्र सरकार से कोवैक?सीन के कम डोज उपलब्ध होने की वजह से अभी तक इसे सिर्फ दूसरे डोज के लिए सुरक्षित रखा जा रहा था। भोपाल में कोवैक्सीन का पहला और दूसरा डोज लगाने के लिए 100 केंद्र बनाए गए हैं। इसमें ग्रामीण क्षेत्र और शहरी क्षेत्र के केंद्र शामिल हैं। बता दें कि भोपाल में अब तक 15 लाख से ज्यादा लोगों को पहला और पांच लाख से ज्यादा लोगों को दूसरा डोज लग चुका है।

कोतवाली क्षेत्र में दुकान बंद कर मासूम से छेड़छाड़

बच्ची की चीख सुनकर पुलिस ने दुकान खुलवाई, अंदर बच्ची के साथ हरकत करते मिला व्यापारी

भोपाल (निसं)। भोपाल के कोतवाली इलाके में स्कार्फ खरीदने आई 10 साल की बच्ची के साथ व्यापारी ने छेड़छाड़ कर दी। आरोपी उसे झांसा देकर पहले दुकान के अंदर बुलाया इसके बाद शटर बंदकर उसके साथ हरकत करने लगा। बच्ची की चीख सुनकर गश्त कर रही पुलिस ने दुकान खुलवाकर आरोपी के चंगुल से बच्ची को छुड़ाया। घटना मंगलवार रात करीब 11 बजे की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

10 वर्षीय बच्ची कोहेफिजा इलाके में अपनी नानी के पास रहती है। उसके पिता का निधन हो चुका है। मां अलग रह रही है। मंगलवार रात बच्ची नदीम रोड में स्कार्फ खरीदने आई हुई थी। जहां, खानूगांव निवासी 30 वर्षीय मंसूर की दुकान में वह स्कार्फ खरीदने पहुंची। मंसूर उसे स्कार्फ दिखाने के बहाने दुकान के अंदर बुला लिया। दुकान के अंदर जाते ही आरोपी ने शटर बंद कर लिया। इसके बाद बच्ची के साथ उसने छेड़छाड़ शुरू कर दी। बच्ची के शोर मचाने पर गश्त कर रही पुलिस ने दुकान खुलवाकर आरोपी को हिरासत में लिया।

अंदर लाइट जलने पर हुआ शक

पुलिस की टीम रात करीब 11 बजे चौक बाजार व उसके आसपास के इलाके में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस की टीम को नदीम रोड स्थित एक दुकान की लाइट जलती मिली। दुकान बाहर से बंद थी, लेकिन अंदर लाइट जल रही थी। संदेह होने पर पुलिस दुकान के पास पहुंची। जहां, बच्ची का शोर सुनाई पड़ा। पुलिसकर्मियों ने तुरंत ही दुकान खुलवाया। पुलिस ने देखा कि अंदर एक युवक के साथ किशोरी भी है।

डीआरएम ने किया हबीबगंज स्टेशन का निरीक्षण

रेल प्रबंधक ने दिए कार्यों को अतिशीघ्र पूरा करने के निर्देश

भोपाल (निसं)। निरीक्षण के दौरान मण्डल रेल प्रबंधक ने हबीबगंज स्टेशन के पुनर्विकास हेतु किये गए निर्माण कार्यों के अंतर्गत सर्कुलेटिंग एरिया, कवर्ड ओवर प्लेटफार्म, स्टेशन पर प्रकाश व्यवस्था, वाशिंग एप्रॉन, प्लेटफॉर्म की सरफेसिंग एवं कांकोर्स एरिया में किये गए कार्यों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से चर्चा की तथा बचे हुए कार्यों को अतिशीघ्र पूरा करने के निर्देश दिये।

निरीक्षण के दौरान मण्डल रेल प्रबंधक के साथ अपर मण्डल रेल प्रबंधक श्री गौरव सिंह, वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक श्री विजय प्रकाश, वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर (समन्वय) श्री ए.के.तोमर, वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूर संचार इंजीनियर (समन्वय) श्री दिनेश कुमार कलामे एवं अन्य अधिकारी सहित आई. आर. एस. डी. सी. के अधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रेन संचालन कार्य प्रणाली का लिया जायजा

मण्डल रेल प्रबंधक सौरभ बंदोपाध्याय ने आज मण्डल के केंद्रीय नियंत्रण कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्री बंदोपाध्याय नें ट्रेन संचालन से जुड़े कर्मचारियों से रूबरू होकर उनके कार्य के सम्बंध में चर्चा की एवं नियंत्रण कार्यालय में उपलब्ध सुविधाओं तथा ट्रेन संचालन कार्य प्रणाली का जायजा लिया।

इस अवसर पर श्री बंदोपाध्याय नें ड्यूटी पर तैनात नियंत्रकों को संबोधित करते हुए कहा कि निर्बाध एवं सुगम ट्रेन परिचालन तथा यात्रा के दौरान जरूरतमंद यात्रियों को समय पर जरूरी मदद पहुंचाने में आप सभी के समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा पूर्वक कार्य करने के परिणामस्वरूप लोगों में रेलवे के प्रति विश्वसनीयता बनी हुई है, हम आप सभी के समर्पण भाव का आदर और सम्मान करते हैं तथा आगे भी इसी लगन और उत्साह से कार्य करते रहने के लिए शुभकामनाएं देते हैं। उल्लेखनीय है कि भोपाल मण्डल का केंद्रीय नियंत्रण कार्यालय भारतीय रेल के महत्वपूर्ण नियंत्रण कार्यालयों में से एक है। यहां से दिल्ली से मुम्बई मार्ग, मुम्बई से कोलकाता (वाया इटारसी), बीना से मक्सी-कोटा (वाया गुना), इंदौर-मक्सी-गुना-ग्वालियर, भोपाल-इंदौर (वाया संत हिरदाराम नगर) मार्ग पर चलने वाली सभी गाड़ियों के परिचालन के नियंत्रण की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी रहती है।

जल प्रदाय परियोजनाओं के प्रचालन और प्रबंधन पर कार्यशाला

भोपाल। मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी के मुख्यालय में जल प्रदाय योजना के प्रचालन और प्रबंधन पर एशियन डेवलपमेंट बैंक के सहयोग से दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कंपनी के प्रबंध संचालक निकुंज श्रीवास्तव ने कहा कि उचित प्रबंधन और प्रचालन ही किसी भी जल प्रदाय और सीवरेज परियोजना की सफलता तय करते हैं। जल प्रदाय योजना के उत्कृष्ट प्रबंधन के लिए यह आवश्यक है कि मीटर युक्त नल कनेक्शन दिए जाए। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश में पहला राज्य है जहॉ उचित जल भार निर्धारित करने के प्रयास किए गए हैं। चौबीस घंटे सातों दिन निर्बाध जल प्रदाय के लिए मीटरयुक्त व्यवस्था आवश्यक है।